सतना
29 जनवरी 2026 गुरुवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना ,रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

संसद के दोनों सदनों में पवार को श्रद्धांजलि; राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ बजट सत्र का आगाज

वीबी-जी राम जी कानून का जिक्र करते ही विपक्ष का हंगामा, कानून वापस लो के नारे लगे

7नई दिल्ली,एजेंसी। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है।

राष्ट्रपति ने 45 मिनट की स्पीच में ड्क्क् जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया और कानून वापस लो के नारे लगाए। उधर, एनडीए सांसदों ने समर्थन में नारेबाजी की। पीएम मोदी और अमित शाह भी मेज थपथपाते नजर आए।

बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी। 28 जनवरी और 1 फरवरी को कोई शून्यकाल नहीं होगा।

राष्ट्रपति कहा- भारत दुनिया में सेतु की भूमिका निभा रहा

ऑपरेशन सिंदूर की ताकत दुनिया ने देखी: ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना का शौर्य पूरी दुनिया ने देखा है। भारतीय सेना ने आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया। मिशन सुदर्शन चक्र पर काम चल रहा है।

नई पीढ़ी को पूर्वजों से सीख मिली: देश ने पिछले दिनों श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, सरदार पटेल की 150वीं और भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह मनाया जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जो विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा को और तेज करती है।

भारत दुनिया में सेतु की भूमिका निभा रहा: विश्व आज कठिन कालखंड से गुजर रहा है। लंबे समय से चले आ रहे समीकरण भी बदल रहे हैं। कठिन परिस्थितियों के बीच भी भारत तेजी से विकास की राह पर बढ़ रहा है। इसके पीछे दूरगामी विदेश नीति की भूमिका है। भारत पर दुनिया के देश भरोसा व्यक्त करते हैं। भारत सेतु की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी है। भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज को और मुखरता से तेज किया है। पुराने संबंधों को मजबूती देते हुए नए संबंध भी विकसित किए हैं। ग्लोबल पॉलिटिक्स का अंतिम ध्येय मानवता की सेवा होनी चाहिए।

भारत के पास होगा स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन

देश में वर्तमान में 150 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यूरोपीय संघ के साथ मुक्त समझौते से सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया–'भय काहूं को देत नहीं, नहीं भय मानत आन', यानी न हम किसी को डराएं और न ही किसी से डरें। इसी निडर मन और भावना के साथ हम देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत ने यह सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग जिम्मेदारी और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों का शौर्य देखा।

चारधाम में गैर-हिंदुओं पर रोक के समर्थन में वक्फ बोर्ड

अध्यक्ष बोले- आस्था नहीं तो तीर्थ में जाने की जिद क्यों

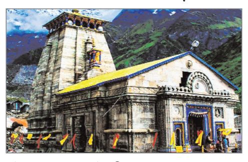

देहरादून,एजेंसी। चारधाम यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक के प्रस्ताव को वक्फ बोर्ड ने समर्थन दिया है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने इस मुद्दे पर खुलकर पक्ष रखते हुए कहा कि जिनकी आस्था सनातन धर्म के तीर्थ स्थलों से नहीं जुड़ी है, उनकी एंट्री पर रोक पूरी तरह ठीक है। चारधाम यात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो चुकी हैं, लेकिन इसी बीच चार धामों में गैर हिंदुओं की एंट्री पर प्रतिबंध के प्रस्ताव ने सियासी बहस छेड़ दी है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के प्रस्ताव पर जहां विरोध और समर्थन दोनों सामने आ रहे हैं, वहीं अब वक्फ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा कि किसी भी धर्मस्थल का मूल उद्देश्य आस्था और श्रद्धा होता है।

अरुणाचल में रहने वाले मोरान समाज को असम में नौकरी का मौका, हिमंत कैबिनेट का बड़ा फैसला

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि राज्य कैबिनेट ने एक अहम फैसला लेते हुए अरुणाचल प्रदेश में रहने वाले मोरान समुदाय के लोगों को असम के तिनसुकिया जिले के रोजगार कार्यालय में पंजीकरण कराने की अनुमति दे दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले से मोरान समाज के लोगों को सरकारी नौकरियों और रोजगार से जुड़ी योजनाओं में भाग लेने का मौका मिलेगा। इससे उनके लिए नौकरी पाने के रास्ते और आसान होंगे। इसके अलावा, कैबिनेट ने चुटिया समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भी बड़ा कदम उठाया है।

यूरोपियन कमीशन प्रेसिडेंट बोलीं-भारत ग्लोबल पॉलिटिक्स में टॉप पर पहुंचा

● राष्ट्रपति भवन में यूरिपयन डेलिगेट्स के लिए डिनर रखा गया; पीएम, सीजेआई शामिल हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन के सम्मान में मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में डिनर रखा गया। इस दौरान यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि भारत ग्लोबल राजनीति में टॉप पर पहुंच गया है। यह एक ऐसा डेवलपमेंट है जिसका यूरोप स्वागत करता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में, भारत-यूरोप की सोच और नजरिया एक जैसा है। हमारा मानना है कि वैश्विक चुनौतियों का सामना सिर्फ सामूहिक प्रयासों से ही किया जा सकता है इस खास डिनर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजित डोभाल समेत कई हस्तियां शामिल हुई।

यूरोपियन काउंसिल प्रेसिडेंट एंटोनियो बोले- आज के नतीजों पर गर्व : राष्ट्रपति भवन में हुए डिनर में यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा ने कहा- 'तेजी से बदलती दुनिया में, हमारी रणनीतिक साझेदारी बड़ा आर्थिक और भू-राजनीतिक महत्व रखती है।

म.प्र-यूपी और राजस्थान में बारिश के साथ ओले गिरे

उत्तराखंड में बर्फबारी, 8 जिलों में स्कूल बंद; सोनमर्ग में एवलांच, कई रिसॉर्ट बर्फ में दबे

शिमला/भोपाल/जयपुर/श्रीनगर/देहरादून,एजेंसी। देश के उत्तर-पश्चिमी राज्यों, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों में स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। इसके कारण मंगलवार से बारिश का दौर शुरू हो गया है। यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिरे।राजस्थान में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। म.प्र. के ग्वालियर-शिवपुरी में 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। यूपी में भीषण सर्दी और बरसात के कारण संभल में 8वीं तक और सिद्धार्थनगर में 12वीं तक के स्कूल आज बंद हैं। राज्य के 29 जिलों में आज भी ओले और बारिश का अलर्ट है।

इधर, उत्तराखंड के कई जिलों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन बर्फबारी हो रही है। चकराता और औली में सड़कों पर 2 फीट तक बर्फ जम गई है। खराब मौसम को देखते हुए 8 जिलों में 12 कक्षा तक स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में मंगलवार रात एवलांच आया। इससे कई होटल बर्फ में दब गए। घटना CCTV में कैद हुई। इसमें दिखा कि होटलों के पीछे से अचानक बर्फ का सैलाब आया और बिल्डिंग्स बर्फ में दब गईं। बचाव टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया है। अभी तक किसी के हताहत की खबर नहीं है।

जम्मू-कश्मीर- भारी बर्फबारी से NH-44 काजीगुंड-बनिहाल के पास बंद रहा और श्रीनगर एयरपोर्ट पर 58 उड़ानें रद्द हुईं। डोडा में बर्फ में फंसे 40 सैनिकों समेत 60 लोगों को BRO ने सुरक्षित निकाला। ऊंचाई वाले इलाकों में एवलांच अलर्ट जारी किया गया। शोपियां में एक डॉक्टर ने JCB से अस्पताल पहुंचकर 10 सर्जरी कीं।

हिमाचल प्रदेश- बर्फबारी-बारिश के कारण शिमला समेत ऊंचाई वाले इलाकों में 700 से ज्यादा सड़कें और तीन नेशनल हाईवे बंद हैं। चंबा जिले में सबसे ज्यादा स्नोफॉल हुआ। मौसम विभाग ने कुल्लू, चंबा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी।

गृह मंत्रालय बोला-जनगणना 2027 के दूसरे चरण जाति जनगणना होगी,कुछ लोग सिर्फ भ्रम फैला रहे

अखिलेश यादव ने कहा था- भाजपा जाति जनगणना नहीं कराएगी

नई दिल्ली,एजेंसी। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि जनगणना 2027 के दूसरे चरण में जाति जनगणना भी की जाएगी। सरकार ने कहा कि देश भर में फरवरी 2027 से जनगणना शुरू हो जाएगी।

गृह मंत्रालय ने कहा कि जनगणना 2027 के बारे में पूरी जानकारी 12 दिसंबर, 2025 को एक प्रेस नोट के माध्यम से जारी की गई थी। फिर भी, कुछ लोग जानबूझकर जनगणना-2027 और विशेष रूप से जाति जनगणना के बारे में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

दरअसल, सपा चीफ अखिलेश यादव ने × पर एक पोस्ट में दावा किया था कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का जाति जनगणना कराने का कोई इरादा नहीं है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय को धोखा दिया है।जनगणना नोटिफिकेशन में जाति के लिए कोई कॉलम ही नहीं है।

अखिलेश यादव बोले- जाति जनगणना भाजपा का जुमला

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (BJP) का जाति जनगणना कराने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने PDA समुदाय - पिछड़े (पिछड़ी जातियां), दलित और अल्पसंख्यक (माइनॉरिटी) को धोखा देने का आरोप लगाया।

बारामती एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा

महाराष्ट्र डिप्टी सीएम अजित पवार समेत 5 की मौत, लैंडिंग के दौरान क्रैश हुआ विमान

हादसे में मारे गए 5 लोगों के नाम

अजित पवार- उपमुख्यमंत्री
एचसी विदिप जाधव, अजित के निजी सुरक्षा अधिकारी
कैप्टन सुमित कपूर- पायलट
कैप्टन शांभवी पाठक- पायलट
पिंकी माली- फ्लाइट अटेंडेंट

मुबंई,एजेंसी। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया है। बुधवार सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान उनका चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर समेत 5 लोगों की जान गई। पवार महाराष्ट्र पंचायत चुनाव के लिए जनसभा को संबोधित करने बारामती जा रहे थे। वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। महाराष्ट्र एविएशन डिपार्टमेंट के मुताबिक पायलट ने सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया। इसके तुरंत बाद उसमें आग लग गई। जानकारी मिली है कि लैंडिंग के दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने मेडे कॉल भी नहीं किया था।

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस मुंबई से बारामती के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने आज स्कूलों की छुट्टी और 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। पवार का अंतिम संस्कार बारामती में किए जाने की संभावना है। अजित के चाचा शरद पवार बारामती हॉस्पिटल पहुंच गए हैं, जहां सभी शव लाए गए हैं। इधर, एयरक्राफ्ट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानी AAIB ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी की एक टीम दिल्ली में विमान की ऑपरेटर कंपनी VSR वेंचर्स के ऑफिस पहुंची है। दूसरी टीम बारामती रवाना हो गई है। इस बीच VSR वेंचर्स ने कहा है कि पायलट को 16 हजार घंटे का फ्लाइंग एक्सपीरियंस था। विमान की को-पायलट के पास 1500 घंटे का एक्सपीरियंस था। कंपनी ने दावा किया कि एयरक्राफ्ट में कोई तकनीकी खामी नहीं थी।

अजित पवार के निधन से महाराष्ट्र की राजनीति में शोक की लहर, 3 दिन का राजकीय शोक घोषित

राष्ट्रपति ने दी श्रद्धांजलि, कहा- अजित पवार का निधन अपूरणीय क्षति

महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अजित पवार का असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। उन्हें महाराष्ट्र के विकास में विशेषकर सहकारी क्षेत्र में, विशेष योगदान के लिए सदैव याद रखा जाएगा। मैं उनके परिवार, समर्थकों एवं प्रशंसकों के प्रति गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर इस दुर्घटना में मारे गए अन्य सभी लोगों के परिवारों को भी इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पीएम मोदी बोले- अजित जनता के नेता थे

अजित पवार के निधन की खबर मिलते ही पीएम ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से हादसे की जानकारी ली। उन्होंने x पर अजित के साथ अपनी 2 तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- अजित पवार जनता के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती व्यक्तित्व के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी काबिले तारीफ था। उनका असमय निधन बहुत चौंकाने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति।

अजित पवार जी निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक :राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट किया, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री श्री अजित पवार जी और उनके सहयात्रियों की आज हवाई जहाज दुर्घटना में निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। इस शोक के पल में महाराष्ट्र की जनता के साथ हूं। समस्त पवार परिवार और प्रियजनों को इस दुख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अजित पवार के निधन पर दुख जताया

विमान दुर्घटना में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य की मौत पर गहरा दुख जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में अजित पवार के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका आज अचानक विमान दुर्घटना में निधन होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुखद है। उनका सार्वजनिक जीवन काफी लंबा एवं प्रभावी रहा है।

जमू-कश्मीर और प. बंगाल के सीएम ने जांच की मांग की

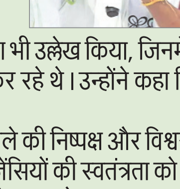

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधबार सुबह विमान हादसे में निधन हो गया। इस घटना ने देश के राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। इस मामले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। मीडिया से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि वह सामने आई खबरों से स्तब्ध हैं और इसे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी घटनाएं सच साबित होती हैं, तो यह राजनीतिक नेतृत्व की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती हैं।

ममता ने लगाए गंभीर आरोप :मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर वायरल उन दावों का भी उल्लेख किया, जिनमें कहा जा रहा था कि अजित पवार राजनीतिक रूप से अलग राह अपनाने पर विचार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन दावों के कारण कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच :ममता बनर्जी ने जोर देते हुए कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठ रहे हैं, इसलिए इस मामले में पारदर्शी जांच बेहद जरूरी है। इससे पहले ममता ने एक्स पर इस घटना को लेकर संवेदन व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अजित पवार के अचानक निधन से मैं गहरे सदमे और स्तब्ध हूं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और उनके सहयात्रियों की बुधबार सुबह बरामती में हुए भीषण विमान हादसे में मौत हो गई।

सैन्य बल में नियुक्ति के बाद 10 वर्ष सेवा जरूरी

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस्तीफा दे चुके सीआईएसएफ जवान को दिया झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में स्पष्ट किया है कि केंद्रीय सैन्य बल में नियुक्ति पाने वाले जवान को कम से कम 10 साल सेवा देना जरूरी है। हाईकोर्ट का तर्क था कि एक सैन्य बल तैयार (ट्रेनिंग) करने में लाखों का खर्च आता है। ऐसे में जवान द्वारा मर्जी से नौकरी छोड़ने पर राजकोष नुकसान नहीं उठाएगा।

जस्टिस बी कामेश्वर राव एवं जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्ति पाने के बाद नौकरी छोड़ने वाले उम्मीदवार को राहत देने से इनकार कर दिया। इस उम्मीदवार ने ट्रेनिंग के समय जमा कराए गए 2 लाख 57 हजार 544 रुपये ब्याज सहित वापस कराने के लिए याचिका दायर की थी। याचिका खारिज की - बेंच ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि सैन्य बल में आवेदन करने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को निर्धारित शर्तों का पालन करना होता है। इसमें एक शर्त यह भी है कि ट्रेनिंग पर खर्च होने वाली रकम जमानत के तौर पर संबंधित सैन्य बल में जमा की जाएगी। यदि किसी कारणवश नियुक्ति पाने वाला व्यक्ति नौकरी छोड़ता है तो उसकी ट्रेनिंग के लिए जमा रकम वापस नहीं होगी। बेंच ने कहा कि इसके लिए बकायदा उम्मीदवार से सहमति पत्र भी लिया जाता है। इस मामले भी इस प्रक्रिया को अपनाया गया था।

पारिवारिक कारणों का हवाला देकर छोड़ी थी नौकरी : सीआईएसएफ में सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्ति के बाद याचिकाकर्ता ने ट्रेनिंग के दौरान ही इस्तीफा दे दिया था। उसने नौकरी छोड़ने के लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया था। सीआईएसएफ की तरफ से इस उम्मीदवार की मनोवैज्ञानिकों से काउंसिलिंग भी कराई गई पर वह अपनी बात पर अडिग रहा। इसके बाद विभाग ने कोई रास्ता निकलते न देख उसका इस्तीफा मंजूर कर लिया था।

नौकरी के दूसरे विकल्प भी तलाशना जारी रखा

मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया कि सीआईएसएफ में प्रशिक्षण शुरू करने के दौरान ही याचिकाकर्ता ने नौकरी के दूसरे विकल्प भी तलाशना जारी रखा। इस बीच उसने कनिष्ठ न्यायिक सहायक के पद पर नियुक्ति पा ली। सुनवाई के दौरान यह साफ हो गया कि याचिकाकर्ता की नौकरी छोड़ने की वजह दूसरी सरकारी नौकरी पाना था। बेंच ने कहा कि जमानत राशि इसीलिए जमा की जाती है, ताकि नियुक्ति पाने वाला जवान कम से कम 10 साल देश की सेवा में दे। लेकिन नौकरी पाकर भी विकल्प तलाशना अपने कर्तव्य के प्रति गैर जिम्मेदाराना रवैया दिखाता है।

दिल्ली सरकार विधायकों की मदद के लिए नियुक्त करेगी 100 से ज्यादा फेलो

एलजी ने 2 साल पहले हटाए थे 116

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली सरकार एक बार फिर सभी विधायकों को उनके विधायी और निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े कामों में मदद करने के लिए 100 से ज्यादा युवा फेलो नियुक्त करने जा रही है। इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी गई है। बता दें कि फेलो नियुक्ति का मुद्दा उपराज्यपाल ऑफिस और दिल्ली की पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के बीच बड़े विवाद का कारण था।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि ये फेलो, विधायकों की मदद करने के अलावा सदन और उसकी कमेटियों के विधायी कामकाज से जुड़े रिसर्च के काम में भी मदद करेंगे। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि इसके लिए जरूरी नियम और मंजूरी के लिए फाइल आगे बढ़ाई गई है।

दिल्ली फेलो नियुक्ति प्रक्रिया : हर विधायक को मिलेगा एक फेलो 70 सदस्यों वाली दिल्ली विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा के 48 और आम आदमी पार्टी के 22 विधायक हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों में हर विधायक को एक फेलो दिया जाएगा। हर फेलो को मासिक स्टाइपेंड के तौर पर एक तय रकम मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि शानदार शैक्षणिक रिकॉर्ड वाले युवाओं को फेलो और असिस्टेंट फेलो के तौर पर नियुक्त किया जाएगा, जिन्हें विधायकों और दिल्ली विधानसभा सेक्रेटेरिएट में काम दिया जाएगा।

2023 में एलजी के निर्देश पर हटाए गए थे 116 फेलो : गौरतलब है कि जुलाई 2023 में तत्कालीन आप सरकार के तहत दिल्ली असेंबली रिसर्च सेंटर में काम करने वाले 116 फेलो को एलजी के निर्देश पर हटा दिया गया था। इन्हें हटाने की वजह यह बताई गई कि इन फेलो की नियुक्त एलजी की मंजूरी के बिना की गई थी।

हिंडन एयरपोर्ट समेत गाजियाबाद के इन 3 रूटों पर ई-बसें चलेंगी

गाजियाबाद , एजेंसी। हिंडन एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को जल्द ही लास्ट माइल कनेक्टिविटी मिलेगी। एयरपोर्ट समेत तीन नए रूटों पर फरवरी से ई-बसों का परिचालन शुरू होगा। इसके लिए किराया और रूट तय कर लिया गया है। गाजियाबाद शहर को सिटी ट्रांसपोर्ट के लिए 50 ई-बसें मिली थीं। इनमें से अभी 36 अलग-अलग रूटों पर चल रही हैं। कुछ रूट पर यात्री कम मिल रहे थे। इन रूटों से बसों की संख्या कम की जाएगी और खराब बसों को ठीक कर हिंडन एयरपोर्ट समेत तीन नए रूटों पर चलाया जाएगा। ई-बसें मधुबन बापूधाम से हिंडन एयरपोर्ट, मसूरी से दिलशाद गार्डन और वेव सिटी सेक्टर-पांच से दिलशाद गार्डन रूट पर चलाई जाएंगी। मधुबन बापूधाम से हिंडन एयरपोर्ट की दूरी करीब 19 किलोमीटर है, जहां किराया 35 रुपये तय किया गया है।

हिमपात और माइनस 16 के तापमान में केदारनाथ धाम में सुरक्षा बल मुस्तैद

देहरादून, एजेंसी। केदारनाथ धाम की बर्फीली हवाओं व अत्यंत विषम परिस्थितियों में जहां माइनस तापमान हर कदम को चुनौती देती हैं, वहीं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और रुद्रप्रयाग पुलिस के हिमवीर अडिग संकल्प के साथ मंदिर परिसर की सुरक्षा में मुस्तैद हैं। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में लगातार हो रही बर्फबारी के चलते बाबा केदार की पावन नगरी केदारनाथ धाम पूरी तरह बर्फ की सफेद चादर में लिपट चुकी है। धाम में इस समय लगभग 3 से 4 फीट तक बर्फ जमी हुई है, जिससे तापमान माइनस 16 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंच गया है। कड़ाके की ठंड और बर्फीली वादियों के बीच, ये जवान मंदिर परिसर और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर गश्त कर यह संदेश दे रहे हैं कि कर्तव्य से बड़ा कोई मौसम नहीं होता। हाल ही में 26 जनवरी के अवसर पर इन हिमवीरों ने बर्फबारी के बीच तिरंगा फहराकर राष्ट्रभक्ति का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। मंदिर के कपाट बंद होने के बावजूद, केदारनाथ धाम की सुरक्षा और मास्टर प्लान के अंतर्गत निर्मित सरकारी परिसंपत्तियों की निगरानी की जिम्मेदारी सुरक्षा बल पूरी सतर्कता से निभा रहे हैं।

पाकिस्तान में लौह मंदिर का जीर्णोद्धार पूरा

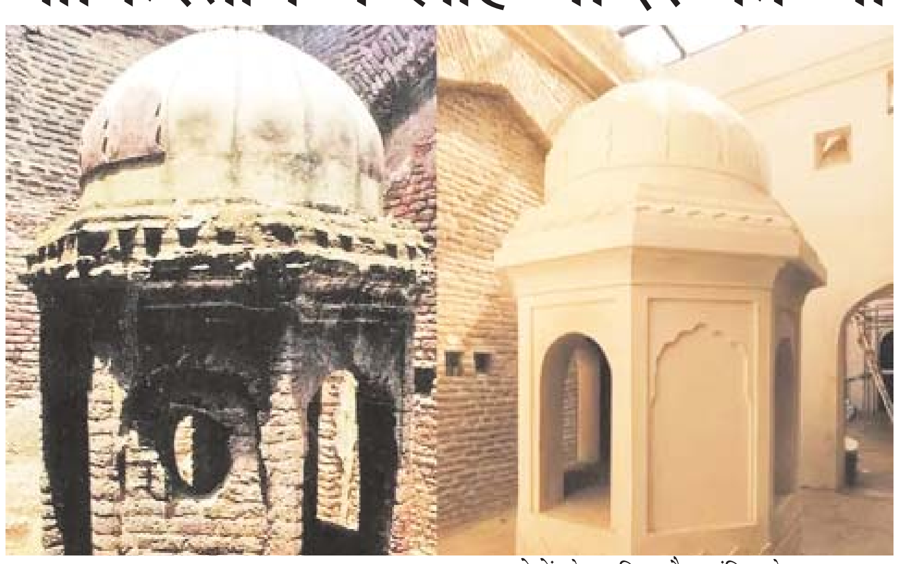

भक्तों के लिए खुला द्वार; भगवान राम से है कनेक्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत स्थित ऐतिहासिक लाहौर किले में मौजूद लौह मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही अब यह स्थल आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। मान्यता है कि यह मंदिर भगवान श्रीराम के पुत्र लव को समर्पित है और हिंदू परंपरा के अनुसार लाहौर शहर का नाम भी लव के नाम पर ही पड़ा माना जाता है।

लाहौर किले में लौह मंदिर का जीर्णोद्धार पूरा : वाल्ड सिटी लाहौरप्राधिकरण (डब्ल्यूसीएलए) ने जानकारी दी कि लौह मंदिर के साथ-साथ सिख कालीन हम्माम और महाराजा रणजीत सिंह के अठदारा पैविलियन का भी संरक्षण किया गया है। इस पूरी परियोजना को अगा खान कल्चरल सर्विस पाकिस्तान के सहयोग से पूरा किया गया। प्राधिकरण के अनुसार, लौह मंदिर परिसर में खुला आकाश क्षेत्र और स्मारक स्थल भी शामिल हैं।

भगवान राम के पुत्र लव को समर्पित : डब्ल्यूसीएलए की प्रवक्ता तानिया कुरेशी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य लाहौर किले की बहुस्तरीय सांस्कृतिक विरासत को सामने लाना है, जिसमें हिंदू और सिख धार्मिक स्थल, मुगलकालीन मस्जिदें तथा ब्रिटिश दौर की संरचनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि संरक्षण प्रक्रिया के दौरान कई आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया, ताकि मूल स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सके। गौरतलब है कि बीते साल अमेरिका स्थित सिख शोधकर्ता डॉ तरुनजीत सिंह बुतालिया ने लाहौर किले में सिख शासनकाल (1799-1849) के दौरान निर्मित लगभग 100 स्मारकों की पहचान की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संरक्षण पहल से न केवल लाहौर किले की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत को संजोया जा सकेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों तक इसकी सांस्कृतिक पहचान भी पहुंचाई जा सकेगी।

वेनेजुएला के बाद अब किस देश में तख्तापलट की तैयारी में अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला में तख्तापलट को अभी एक महीना भी नहीं बीता है कि अब अमेरिका की नजर कैरेबियन देश क्यूबा पर जा टिकी है। ट्रंप ने क्यूबा पर हमले की धमकी दी है, जिसके बाद क्यूबा में अफरा-तफरी मच गई है। युद्ध के डर से क्यूबा के पेट्रोल पंप से लेकर राशन की दुकानों पर लोगों की लंबी लाइन लग गई है। दरअसल वेनेजुएला, क्यूबा का सबसे बड़ा तेल का सप्लायर है। ऐसे में ट्रंप का कहना है कि एक बार वेनेजुएला क्यूबा को तेल और पैसा देना बंद कर देगा, तो क्यूबा की सरकार अपने आप गिर जाएगी।

ट्रंप ने दिया अल्टीमेटम : 3 जनवरी 2025 को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी काराकास पर हमला करते हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से ट्रंप क्यूबा को लगातर धमकी दे रहे हैं।

वेनेजुएला पर हमला : वेनेजुएला में तख्तापलट के बाद उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को अंतरिम राष्ट्रपति बनाया गया है।

आतंक का नया गठजोड़, हमास और लश्कर कमांडर के बीच दोहा में मीटिंग

दोह, एजेंसी। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय आतंकी संगठनों के बीच बढ़ते तालमेल की ओर इशारा करते हुए एक बड़ा खुलासा सामने आया है। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सीनियर कमांडर फैसल नदीम ने पहली बार सार्वजनिक रूप से हमास से संपर्क और उसके शीर्ष नेताओं से मुलाकात की बात कबूल की है। इस कबूलनामे की वजह से भारत समेत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी प्रतिबंधित आतंकी संगठनों की सूची में शामिल लश्कर और हमास के बीच यह सीधा संपर्क एक उभरते वैश्विक आतंकी नेटवर्क की ओर संकेत करता है।

दोहा में हुई हमास नेतृत्व से मुलाकात : एनडीटीवी रिपोर्ट के अनुसार, एक वीडियो में पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के कमांडर फैसल नदीम ने बताया कि उसने साल 2024 में कतर की राजधानी दोहा में हमास के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। पीएमएमएल को लश्कर-ए-तैयबा का राजनीतिक मुखौटा माना जाता है। फैसल नदीम के अनुसार, इस यात्रा में उसके साथ सैफुल्लाह कसूरी भी मौजूद था। कसूरी को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का

मास्टरमाइंड बताया जाता है। नदीम ने दावा किया कि दोनों की मुलाकात हमास के वरिष्ठ नेता खालिद मशाल से हुई।

भारतीय एजेंसियों के लिए अहम सबूत : भारतीय खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह बयान दक्षिण एशिया और मध्य-पूर्व में सक्रिय आतंकी नेटवर्कों के बीच सीधे समन्वय का ठोस प्रमाण है। विश्लेषकों के मुताबिक, यह गठजोड़ लॉजिस्टिक्स, प्रचार और ऑपरेशनल अनुभव साझा करने तक सीमित नहीं रह सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्वीकारोक्ति लश्कर और हमास के बीच उभरते रणनीतिक रिश्ते पर रोशनी डालती है। ये आने वाले समय में क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

पहले भी सामने आ चुकी है नजदीकियों की तस्वीर : गौरतलब है कि इससे पहले हमास के वरिष्ठ कमांडर नाजी जहीर और लश्कर कमांडर राशिद अली संधू की मुलाकात को लेकर भी खबरें आई थी। ये मुलाकात पाकिस्तान के गुजरांवाला में हुई थी। यह मुलाकात पीएमएमएल द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हुई, जहां नाजी ज़हीर मुख्य अतिथि के रूप में मंच पर मौजूद थे और राशिद संधू एक राजनीतिक नेता की आड़ में शामिल हुआ था। एक वीडियो में दोनों को एक साथ मंच साझा करते देखा गया। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, इस तरह खुले मंच पर मौजूदगी लश्कर और हमास के बीच बढ़ते भरोसे और गहरे होते रिश्तों को दिखाती है। जानकारी के मुताबिक, नाजी जहीर अक्टूबर 2023 के बाद से अब तक करीब 15 बार पाकिस्तान का दौरा कर चुका है। अधिकारियों का कहना है कि बार-बार की यात्राएं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में मौजूदगी इस बात का संकेत हैं कि दोनों संगठन अब अपने रिश्तों को छिपाने में संकोच नहीं कर रहे।

आधी रात से सिर्फ 85 सेकंड दूर डूम्सडे क्लाक को क्यों कहा जाता है तबाही की घड़ी

मास्को/वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के परमाणु वैज्ञानिकों ने डूम्सडे क्लाक यानी प्रलय की घड़ी को अब तक की सबसे खतरनाक स्थिति में पहुंचा दिया है। यह घड़ी अब आधी रात से केवल 85 सेकंड दूर है, जो वैश्विक विनाश के बेहद नजदीक होने का संकेत माना जाता है। बुलेटिन आफ द एटामिक साइंटिस्ट्स संस्था ने बताया कि अमेरिका, रूस और चीन जैसे परमाणु शक्ति संपन्न देशों का आक्रामक रवैया, परमाणु हथियार नियंत्रण समझौतों का कमजोर होना, यूक्रेन और मध्य पूर्व के युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के खतरे और जलवायु परिवर्तन इस फैसले की मुख्य वजह हैं।

प्रलय की घड़ी आधी रात से केवल 85 सेकंड दूर : संस्था ने कहा कि बिना नियंत्रण के सैन्य सिस्टम में एआइ के इस्तेमाल से खतरे बढ़ रहे हैं। एआइ का दुरुपयोग जैविक हथियार बनाने और झूठी सूचनाएं फैलाने में भी हो सकता है। साथ ही जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। संस्था की अध्यक्ष एलेक्जेंड्रा बेल ने कहा कि यह स्थिति दुनिया भर में नेतृत्व की विफलता को दिखाती है।

दिल्ली के भजनपुरा में 6 साल बच्ची से 3 लड़कों ने किया गैंगरेप

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में 18 जनवरी को 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ 3 लड़कों द्वारा कथित तौर पर गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। भजनपुरा थाना पुलिस ने पीड़ित बच्ची के परिजनों के बयान पर केस दर्ज कर दो नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस दोनों से पूछताछ के बाद तीसरे आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। फिलहाल पुलिस ने दोनों को जेजे बोर्ड के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित बच्ची परिजनों के साथ भजनपुरा इलाके में रहती है। बच्ची के परिजन मजदूरी करते हैं। पुलिस को दिए बयान में उन्होंने बताया कि बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, तभी पास में एक फैक्ट्री में काम करने वाला एक नाबालिग बच्ची को पैसे देने का लालच देकर अपने साथ ले गया और अपने दो अन्य साथियों के साथ बच्ची के साथ गैंगरेप किया। इस शर्मनाक वारदात के बाद बच्ची जब घर पहुंची तो उसने अपने माता-पिता को आपबीती बताई। इसके बाद मामला पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराने के बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज जांच शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही कुछ संगठनों के कार्यकर्ता भी बच्ची के परिजनों के पास पहुंच गए और बच्ची के लिए इंसाफ की मांग करते हुए रोड जाम कर दिया। पुलिस ने उन्हें समझाकर रोड खुलवाई। इसके बाद पुलिस ने दो आरोपी नाबालिगों को धर दबोचा। वहीं, तीसरा आरोपी फिलहाल फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। आरोपी के परिजनों से उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

दुष्कर्म मामले में फरार बदमाश को दबोचा : वहीं, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अपनी घरेलू सहायिका की बेटी के साथ यौन उत्पीड़न करने के मामले में फरार चल रहे बदमाश करण डोल्टानी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मटियाला एक्सटेंशन का निवासी है और उसके खिलाफ बिंदापुर थाने में मामला दर्ज है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि वर्ष 2016 में आरोपी ने घरेलू सहायिका की बेटी के साथ यौन उत्पीड़न किया था। आरोपी ने वर्ष 2022 में अपनी पत्नी की सहेली का भी यौन उत्पीड़न किया था।

नासिक में रफ्तार का कहर, सरकारी अफसर के नाबालिग बेटे ने बीएमडब्ल्यू से स्कूटर को मारी टक्कर; दो घायल

नासिक , एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां कथित तौर पर पुराना हिसाब चुकाने के इरादे से 16 साल के एक नाबालिग ने तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार से स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। इस खौफनाक हादसे में स्कूटर सवार दो युवक बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक आरोपी नाबालिग एक सरकारी अधिकारी का बेटा है। यह घटना शनिवार, 24 जनवरी को नासिक शहर के गंगापुर रोड इलाके में हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों किशोर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने उसे ट्रैक कर हिरासत में ले लिया।

पुराने विवाद का बदला लेने का आरोप : पुलिस के अनुसार, घायल हुए दोनों किशोर आपस में दोस्त हैं और घटना के वक्त गंगापुर रोड से गुजर रहे थे। शिकायत में कहा गया है कि 16 वर्षीय आरोपी ने उन्हें पहचान लिया और बीएमडब्ल्यू से पीछा करते हुए स्कूटर को जानबूझकर पीछे से टक्कर मारी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों के बीच पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। उसी रंजिश के चलते आरोपी ने गुस्से में आकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि टक्कर मारने का मकसद सिर्फ डराना नहीं बल्कि जान से मारने का था।

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना : हादसे की पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि एक लाल रंग की तेज रफ्तार कार पीछे से आती है और स्कूटर को जोरदार टक्कर मार देती है। टक्कर लगते ही दोनों युवक उछलकर सड़क पर गिर जाते हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों को गंभीर चोटें आई हैं, हालांकि उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

नाबालिग पर हत्या के प्रयास का केस : पीड़ितों में से एक की शिकायत के आधार पर 25 जनवरी को गंगापुर पुलिस थाने में स्नढ्ढक्रदर्ज की गई। आरोपी नाबालिग के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्) की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 281 (लापरवाही से वाहन चलाना) और 125 (दूसरों की जान या सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराएं भी लगाई गई हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी को 26 जनवरी को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे सुधार गृह (रेमांड होम) भेज दिया गया। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि नाबालिग के पास बीएमडब्ल्यू कार कैसे आई और हादसे के वक्त वाहन किसके नाम पर पंजीकृत था। साथ ही, यह भी देखा जा रहा है कि घटना के बाद उसे भगाने या छिपाने में किसी ने मदद तो नहीं की।

पत्नी ने फोन नहीं उठाया तो पति ने फंदा लगाकर जान दे दी

नई दिल्ली , एजेंसी। हरियाणा के गुरुग्राम जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आया है। पत्नी द्वारा फोन नहीं उठाने से नाराज पति ने सुसाइड कर लिया। इससे पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। घटना के वक्त पत्नी और बच्चे स्कूल गए थे। गुरुग्राम के नवादा गांव में गणतंत्र दिवस की खुशियां एक परिवार के लिए मातम में बदल गई। 35 वर्षीय युवक ने पत्नी से अनबन और फिर फोन न उठाने से आहत होकर अपने ही घर में फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के रहने वाले 35 वर्षीय सुनील कुमार के रूप में हुई है। सुनील गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में ड्राइवर के पद पर कार्यरत थे। सुनील की दो दिन से कंपनी में छुट्टी थी, इसलिए सोमवार को वह घर पर ही रुके हुए थे। सोमवार सुबह पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। दोनों के बीच कहासुनी के बाद पत्नी और बच्चे स्कूल चले गए। दोपहर में सुनील ने पत्नी को कई बार फोन किया, लेकिन स्कूल में व्यस्त होने या अनबन के कारण पत्नी ने फोन नहीं उठाया। पत्नी द्वारा बार-बार कॉल नजरअंदाज किए जाने से सुनील ने फंदा लगाया।

पत्नी शाम को घर लौटी : जब शाम को पत्नी और बच्चे घर लौटे, तो अंदर का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। सुनील का शव कमरे में लटका हुआ था। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी इकट्ठा हुए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच अधिकारी ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिस की महिला सिपाही की अस्पताल में मौत, पति और ससुरालवालों पर बुरी तरह पीटने का आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी। ससुरालियों द्वारा बुरी तरह पिटाई करने के चलते गंभीर रूप से घायल हुई दिल्ली पुलिस की एक महिला कॉन्स्टेबल ने मंगलवार को गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मारपीट की घटना के बाद महिला कॉन्स्टेबल के मायकेवालों ने दिल्ली के मोहन गार्डन थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। गाजियाबाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव और संबंधित दस्तावेज दिल्ली पुलिस को सौंप दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, मृतका काजल दिल्ली पुलिस में कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात थीं। काजल के भाई निखिल ने 23 जनवरी को दिल्ली के मोहन गार्डन थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उनका कहना था कि काजल का विवाह वर्ष 2023 में अंकुर से हुआ था।

रक्षा मंत्रालय में क्लर्क है पति : अंकुर रक्षा मंत्रालय में क्लर्क के पद पर कार्यरत है। आरोप है कि विवाह के बाद से ही काजल को ससुराल पक्ष की ओर से लगातार प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा था। परिजनों का आरोप है कि बीती 22 जनवरी को ससुराल पक्ष और पति अंकुर द्वारा काजल को बुरी तरह मारा-पीटा गया था।

ब्लॉक स्तर पर होगी जनसुनवाई: कलेक्टर बोले आवेदकों को होगी आसानी, विकासखंड स्तर पर मिलेगा समाधान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए प्रशासन ने जनसुनवाई व्यवस्था में बदलाव किया है। कलेक्टर गौरव बैनल ने बुधवार को आदेश जारी किया है। इसके तहत अब जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखंड स्तर पर भी नियमित जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। कलेक्टर गौरव बैनल ने बताया कि जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान यह सामने आया कि जिले के दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में आवेदक अपनी समस्याएं लेकर जिला मुख्यालय पहुंचते हैं। जबकि कई मामलों का निराकरण विकासखंड स्तर पर ही संभव है। ऐसे में आवेदकों की सुविधा और समय की बचत को ध्यान में रखते हुए ब्लॉक स्तर पर जनसुनवाई को अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया है। हर मंगलवार सुबह 11 से 1 बजे तक होगी जनसुनवाई। आदेश के अनुसार, चितरंगी विकासखंड में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय चितरंगी सभागार देवसर विकासखंड में मंगल भवन जनपद कार्यालय देवसर और माड़ा विकासखंड में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय माड़ा सभागार में प्रत्येक मंगलवार सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। एसडीएम करेंगे जनसुनवाई की अध्यक्षता: कलेक्टर गौरव बैनल ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई की अध्यक्षता संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) करेंगे। जनसुनवाई के दौरान विकासखंड स्तर के सभी विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी, ताकि आवेदकों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जा सके।

माड़ा विकासखंड में आयोजित जनसुनवाई में राजस्व विभाग के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के ADEO/PCO सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। आम नागरिकों को जल्द समाधान उपलब्ध कराना मकसद कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को त्वरित समाधान उपलब्ध कराना है। जिन मामलों में समय लगना स्वाभाविक है। उनमें आवेदकों को स्थिति से अवगत कराया जाएगा। जिला मुख्यालय में जनसुनवाई आयोजित होने के कारण विकासखंड सिंगरौली में अलग से जनसुनवाई नहीं की जाएगी।

ग्राम सभा में शराबियों का हंगामा, सचिव से अभद्रता: पंचायत भवन में घुसकर गाली-गलौज; FIR के बाद आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर थाना क्षेत्र स्थित तीतरा पंचायत में ग्राम सभा के दौरान चार शराबियों ने हंगामा किया। आरोपियों ने पंचायत भवन में घुसकर सचिव के साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की जिससे शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन सभी आरोपी स्न्ढ्ढक्र के बाद से फरार हैं। यह घटना मंगलवार को हुई जब तीतरा पंचायत भवन में ग्राम सभा का आयोजन चल रहा था। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इसी दौरान शराब के नशे में चार व्यक्ति बिना अनुमति के सभा के भीतर घुस आए और हंगामा शुरू कर दिया। पंचायत सचिव केशव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि जब उन्होंने आरोपियों को समझाने और अनुशासन बनाए रखने के लिए कहा तो वे और उग्र हो गए आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज की अभद्र भाषा का प्रयोग किया और धक्का-मुक्की भी की। स्थिति बिगड़ती देख ग्राम सभा में मौजूद ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर बीच-बचाव किया। इस घटना के कारण ग्राम सभा को अस्थायी रूप से बाधित करना पड़ा घटना के बाद पंचायत सचिव केशव प्रसाद द्विवेदी ने जैतपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने शिकायत के आधार पर रघो महरा, रामलखन प्रजापति, रामशरण प्रजापति और सत्तार मुसलाम सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने गाली-गलौज और मारपीट की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया है। जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि मंगलवार शाम को शिकायत मिलते ही अपराध दर्ज कर लिया गया था आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बुधवार सुबह से धर-पकड़ अभियान चलाया जा रहा है।

भदौरी में ट्रेन के सामने लेट गए प्रदर्शनकारी चार घंटे खड़ी रही मालगाड़ी, इंटरसिटी स्टॉपेज और स्टेशन दर्जे की मांग

मीडिया ऑडीटर,सीधी (निप्र)। भदौरा रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह 11 बजे से रेल रोको आंदोलन किया इस दौरान एक मालगाड़ी को करीब चार घंटे तक रोके रखा गया रेलवे अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। अधिकारियो ने 25 फरवरी तक का समय मांगा है। प्रदर्शनकारी इंटरसिटी ट्रेन के स्थायी स्टॉपेज और शंकरपुर-भदौरा रेलवे स्टेशन को पूर्ण स्टेशन का दर्जा दिलाने की मांग कर रहे हैं रेल रोको आंदोलन की सूचना मिलते ही रेलवे और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए है पुलिस बल को बुला लिया गया अधिकारी आंदोलनकारियों से बातचीत का प्रयास कर रहे हैं।

हालांकि प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। समाजसेवी आनंद सिंह (ददुआ) के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने एक मालगाड़ी को रोक दिया बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा और बुजुर्ग रेलवे पटरियों पर बैठ गए और कई लोग लेटकर विरोध दर्ज कराने लगे आंदोलनकारी वर्षों से इंटरसिटी स्टॉपेज, स्टेशन मास्टर की पदस्थापना और पैसेंजर ट्रेनों की बहाली की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि रेल प्रशासन लगातार उनकी अनदेखी कर रहा है कोरोना में बंद ट्रेन भी नहीं हुई शुरू रेल संघर्ष समिति के अनुसार, कोरोना काल में बंद की गईं चार पैसेंजर ट्रेनें अब तक बहाल नहीं हुई हैं। इससे गंभीर मरीजों, छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को जबलपुर, रीवा और अन्य बड़े शहरों तक पहुंचने में भारी कठिनाई हो रही है। यह मुद्दा केवल रेल सुविधा तक सीमित नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार से भी जुड़ा है इस आंदोलन में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इसे सर्वदलीय स्वरूप प्रदान किया है महिलाओं और युवाओं की बड़ी भागीदारी ने आंदोलन को और अधिक मजबूती दी है।

समग्र शिक्षा अभियान सेकेण्डरी एजुकेशन की वार्षिक कार्य योजना निर्माण की बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के प्राचार्यो को वार्षिक कार्य योजना की बैठक जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शा.उ.मा.वि.क्रमांक-2 में सम्पन्न हुई। एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र द्वारा समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्य योजना 2026-27 के सम्बंध में प्राचार्यो से विस्तार से चर्चा करते हुये आवश्यक शिक्षण कक्ष, लैब, बाउंड्रीवाल की आवश्यकता, शौचालय की जरूरत, पेयजल, विद्युतीकरण, वोकेशनल कोर्स, आई सी टी लैब से सम्बंधित आवश्यक जानकारी दी गई बैठक में मेरी

शाला बेस्ट शाला 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम की कार्य योजना परीक्षा पूर्व तैयारी परीक्षा पे-चर्चा, कैरियर काउंसलिंग, एक्सपोजर विजिट, प्रेरणा उत्सव का पंजियन, भवन निर्माण हेतु डीपीआर तैयार कराना, अधोसंरचना हेतु माग पत्र, स्पोकेन इंग्लिश की कोचिंग (परीक्षा उपरांत), दीक्षा पोर्टल, ई-विद्या, स्वच्छता साथी-वॉष आंन व्हील पर चर्चा हुई। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने सभी प्राचार्यो को निर्देशित किया कि 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम का लक्ष्य सभी स्कूल को प्राप्त करना है इसके लिये अतिरिक्त कक्षाये लगायें कमजोर छात्रों को दूरभाष पर भी सहयोग करें एडीपीसी ओशो उत्सव ने प्राचार्यो को सभी मदो का खर्चा शीघ्र कराये जाने के निर्देश दियें बैठक में आई टी सेल से देवेन्द्र तिवारी और जिले के सभी हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्राचार्य उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय स्काउट शिविर में छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन, प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने जानकारी देकर बताया कि कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में सीधी जिले के आदिवासी विकास खण्ड कुसमी से चयनित 10 छात्राओं का राज्य स्तरीय स्काउट दल 22 से 26 जनवरी तक ज्ञानोदय विद्यालय भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित हुआ प्रशिक्षण उपरांत आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग म.प्र. तरूण राठी द्वारा सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया इस दल में कमछ विद्यालय से सहवाग पनिका श्यामवती सिंह एवं सरस्वती यादव, पी.एम. टंसार विद्यालय से पुपेन्द्र कुमार, सीमा सिंह एवं कोमल पनिका, सांदीपनि विद्यालय कुसमी से कांती सिंह, आरती यादव एवं सुकन्या विश्वकर्मा तथा उमरिया विद्यालय से अमरदीप सिंह शामिल रहीं इस उपलब्धि पर सहायक आयुक्त जोधा सिंह उइके, सहायक संचालक दीपक निगम, जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह चौहान, गाइड प्रशिक्षक अविदा अंसारी, स्काउट प्रशिक्षक रामशरण साहू एवं समस्त विभागीय ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

30 जनवरी को मद्यनिषेध संकल्प दिवस का आयोजन, व्यापक जनभागीदारी के निर्देश

मीडिया ऑडीटर,सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया है कि महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि 30 जनवरी के अवसर पर जिले में मद्यनिषेध संकल्प दिवस का आयोजन किया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों में बढ़ती मद्यपान एवं मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति पर रोक लगाना तथा इसके दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करना है उन्होंने निर्देशित किया है कि इस अवसर पर ऐसे कार्यक्रम निर्धारित किए जाएं जिनमें विद्यालय, महाविद्यालय, जिला पंचायत, स्थानीय निकाय एवं स्थानीय समाजसेवी संस्थाओं की व्यापक

सहभागिता सुनिश्चित हो। कार्यक्रमों के अंतर्गत सेमिनार, कार्यशाला, रैली, प्रदर्शनी, वाद-विवाद, निबंध लेखन, मानव श्रृंखला, पोस्टर प्रतियोगिता, नाटक, गीत, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां एवं सभाएं आयोजित कर मद्यनिषेध संकल्प दिवस हेतु अनुकूल वातावरण निर्मित किया जाए तथा सहभागियों से संकल्प पत्र भरवाए जाएं साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को अपने स्तर से समस्त विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजन हेतु निर्देश जारी करने को कहा गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आयोजित कार्यक्रमों का प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

तिनगुड़ी स्कूल परीक्षा केंद्र बदलने पर छात्रों का विरोध: कलेक्टर से की शिकायत कहा-35, 40 किलोमीटर दूर पेपर देने जाना पड़ रहा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। तिनगुड़ी विकासखंड में शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल तिनगुड़ी का परीक्षा केंद्र बदले जाने पर छात्र-छात्राओं ने असंतोष व्यक्त किया है बुधवार को बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर परीक्षा केंद्र को पूर्ववत रखने की मांग की कलेक्टर से परीक्षा केंद्र को पूर्ववत रखने की मांग छात्रा रीना साकेत ने बताया कि परीक्षा केंद्र बदलने से उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तिनगुड़ी क्षेत्र ग्रामीण और वनांचल इलाका है, जहाँ परिवहन के साधन सीमित हैं छात्रों को अब 15 से 20 किलोमीटर और कुछ मामलों में 35 से 40 किलोमीटर दूर परीक्षा देने जाना पड़ रहा है इससे छात्रों

पर न केवल समय और आर्थिक बोझ बढ़ रहा है, बल्कि खासकर छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं पैदा हो गई हैं छात्राएं बोलीं-35 किलोमीटर दूर जाने से हो रही परेशानी छात्रों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि क्षेत्र में पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाएं, बस सेवा और अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं अपर्याप्त हैं जिससे दूरस्थ परीक्षा केंद्र तक पहुँचना कई विद्यार्थियों के लिए मुश्किल हो गया है छात्रों का कहना है कि पहले जब परीक्षा केंद्र तिनगुड़ी में ही था, तब कोई असुविधा नहीं होती थी लेकिन अचानक किए गए इस बदलाव से उनकी परीक्षा की तैयारी और मानसिक स्थिति प्रभावित हो रही है छात्रों का कहना है कि इस फैसले से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है छात्रों का कहना है कि इस फैसले से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है डीईओ बोले-तिनगुड़ी हायर सेकेंडरी में केवल 70 छात्र इस पूरे मामले पर जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह ने जानकारी दी उन्होंने बताया कि तिनगुड़ी हायर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा केंद्र गन्नई बनाया गया है इसका कारण यह है कि गन्नई हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्रों की संख्या लगभग 170 है जबकि तिनगुड़ी हायर सेकेंडरी में केवल 70 छात्र हैं

दोनों स्कूलों के बीच की दूरी करीब 10 किलोमीटर है फिलहाल, छात्र और अभिभावक जिला प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए परीक्षा केंद्र को पुन: तिनगुड़ी में ही बनाए रखने की मांग कर रहे हैं।

खून से पत्र लिखकर कानून का विरोध मोदी से की वापसी की मांग, ब्राह्मण समाज ने आंदोलन की दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश सचिव सतीश चौबे और श्रावण सेना के जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, मुकेश पांडे, प्रकाश मिश्रा और संदीप तिवारी ने अपने खून से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस कानून को तुरंत वापस लेने की मांग की है इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल तेज हो गई है सतीश चौबे और अनुराग मिश्रा ने आरोप लगाया कि यूजीसी का नया कानून समाज को बांटने वाला है उनका कहना है कि यह कानून सामान्य वर्ग के अधिकारों के साथ अन्याय करता है और इससे शैक्षणिक संस्थानों में असंतुलन व वैमनस्य बढ़ने की आशंका है नेताओं ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह का ऐसा बदलाव, जो समाज में विभाजन पैदा करे स्वीकार्य नहीं हो सकता प्रदेश सचिव सतीश

चौबे ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार को जनभावनाओं के विरुद्ध कोई भी कानून थोपना नहीं चाहिए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यूजीसी का यह कानून वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा चौबे ने कहा कि जरूरत पड़ी तो यह विरोध देशव्यापी आंदोलन का रूप ले सकता है खून से लिखे पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री से भावनात्मक अपील करते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह कानून सामाजिक समरसता के लिए खतरा है और इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए उनका कहना है कि शिक्षा नीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए न कि अलगाव पैदा करना फिलहाल इस पूरे मामले पर सरकार या यूजीसी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि, इस तरह के विरोध प्रदर्शन के बाद यह मुद्दा चर्चा के केंद्र में आ गया है और आने वाले दिनों में इस पर सियासी बयानबाजी और तेज होने के संकेत हैं त्नष्ट के नए नियमों का विरोध क्यों त्नष्ट ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स 2026। इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं ये टीमें खासतौर पर SC,ST,OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं हालांकि नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र स्वाभाविक अपराधी बना दिए गए हैं जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

धान खरीदी, भंडारण व्यवस्था चरमराई: बारिश से करोड़ों के नुकसान की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में इस खरीफ सीजन में रिकॉर्ड 18 लाख 90 हजार क्विंटल धान की खरीदी की गई है हालांकि जिले में भंडारण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है क्योंकि उपलब्ध गोदामों की कुल क्षमता केवल 10 लाख 50 हजार क्विंटल है जिले के वेयरहाउस में 6 लाख क्विंटल धान रखने की जगह है, जबकि कोऑपरेटिव सोसायटियों के पास लगभग 4 लाख 50 हजार क्विंटल भंडारण की क्षमता है इस प्रकार लगभग 8 लाख 40 हजार क्विंटल धान के भंडारण के लिए जिले में कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है यह स्थिति और भी गंभीर हो गई है क्योंकि मिलरों ने अभी तक धान का उठाव शुरू नहीं किया है सूत्रों के अनुसार मिलरों को पिछले वर्ष की प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं हुआ है जिसके कारण वे धान उठाने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में धान खुले आसमान के नीचे ईंट-पत्थर बिछाकर रखा जा रहा है यदि इस दौरान बारिश होती है, तो खुले में रखे धान के खराब होने की आशंका बढ़ जाएगी इससे शासन और किसानो दोनों को करोड़ों रुपये का बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है इस मामले पर सहकारिता उपयुक्त पी.के. मिश्रा ने बताया कि विभाग बारिश से धान को बचाने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम कर रहा है उन्होंने यह भी कहा कि मिलरों से लगातार बातचीत की जा रही है मिश्रा ने स्वीकार किया कि मौजूदा हालात को देखते हुए जिले में भंडारण क्षमता बढ़ाना अनिवार्य हो गया है।

मिट्टी के पोषक तत्वों और गुणों की सटीक जानकारी देता है मृदा स्वास्थ्य कार्ड

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार द्वारा किसानों को उनकी खेत की मिट्टी की गुणवत्ता और पोषक तत्वों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सॉइल हेल्थ कार्ड (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत किसान सिंचित क्षेत्र में 2.5 एकड़ तथा असिंचित क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी जाँच कराते हैं यह जाँच कृषि विभाग द्वारा की जाती है कृषि विभाग द्वारा लिए गए मिट्टी के नमूनों की जाँच पूर्णत: नि:शुल्क होती है जाता है वहीं मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व की जाँच के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के किसानों से 30 रुपए और सामान्य वर्ग के किसानों से 40 रुपए शुल्क निर्धारित है उप संचालक कृषि ने बताया कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से किसानों को उनकी खेती की मिट्टी के गुण, पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं कमी की स्पष्ट जानकारी मिलती है।

खौफनाक पढ़ाई

संपादकीय

पिछले दिनों फरीदाबाद में ठीक से पढ़ाई न कर सकने वाली बच्ची की पिता द्वारा पिटाई करने से हुई मौत की खबर ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। यह विश्वास करना कठिन है, कोई पिता इतना क्रूर हो सकता है कि महज गिनती न सीख पाने के कारण बच्ची की जान ले ले। यदि इस घटना के पीछे कोई परोक्ष कारण नहीं है तो निश्चय ही यह घटना किसी भी सभ्य समाज के लिये कलंक ही कही जाएगी। यह शर्म की बात ही है कि इस ज्ञान की सदी में किसी बच्ची की पिता के हाथों पढ़ाई के नाम पर मौत हो जाए। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में भी हमारे समाज में मानसिक ग्रंथि की वह गांठ नहीं खुल पाई है, जो मानती है कि डर व मारपीट से बच्चों को सिखाया जा सकता है। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा। लेकिन जब घर में माता-पिता ही हिंसक व्यवहार करने लगें तो मासूम किसके भरोसे रहेगा... कहने को देश में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी हिंसक व्यवहार को रोकने के लिये तमाम तरह के प्रावधान सुरक्षा कवच उपलब्ध कराते हैं। लेकिन जब प्रवर्तन एजेंसियां ही उदासीन रहेंगी तो समस्या का समाधान संभव ही नहीं है। पहले तो स्कूलों में ही ऐसे मामलों पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है, फिर यदि मामला पुलिस या संबंधित विभाग के संज्ञान में आता भी है तो उसे रफा-दफा करने के प्रयास तेज हो जाते हैं। ऐसे मामलों में शिक्षक अभिभावक संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। जिसमें अकसर शिक्षण संस्था के सुर में बोलने वाले अभिभावकों को ही रखा जाता है। आज भी यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है।

यह हमारे समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज भी यह सोच बलवती है कि बच्चों के साथ सख्त व्यवहार से उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता में वृद्धि होती है। जबकि हकीकत यह है कि किसी भी आक्रामक व्यवहार से बच्चों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देश व दुनिया में हुए तमाम शोध व अध्ययन बताते हैं कि बच्चों के साथ सख्त व आक्रामक व्यवहार किए जाने से बच्चों की एकाग्रता व याद्दाश्त पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उनकी निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। जिसका नकारात्मक असर यह होता है कि बच्चे हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं। परिणाम स्वरूप वे अपनी कक्षा में पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं।

समुद्र, चांद और सूरज का लाल गोला

डॉ. योगेन्द्र

मालवण एक कस्बा ही है, महाराष्ट्र का, लेकिन उससे समुद्र टकराता है। उसके कई समुद्री किनारे हैं। मैं चिवला समुद्री किनारे के निकट हूं। कल संझा में आसमान में चांद था, समुद्र के अंतिम छोर पर पश्चिम में सूर्य का लाल गोला टंगा हुआ था और समुद्र की लहरें लाल होती जा रही थीं। हर दिन, हर सुबह, हर शाम। प्रकृति सौंदर्य से भर देती है। हर दिन बीतता है। हर लहर लौटती है। बच्चन की पंक्तियों से प्रकृति अपना स्वर मिलाती है -'

जो बीत गई सो बात गई। /जीवन में एक सितारा था,/माना, वह बेहद प्यारा था,/वह डूब गया तो डूब गया;/अंबर के आनन को देखो,/ कितने इसके तारे टूटे,/कितने इसके प्यारे छूटे,/जो छूट गए फिर कहाँ मिले;/पर बोलो टूटे तारों पर/कब अंबर शोक मनाता है!/जो बीत गई सो बात गई!' करोड़ों करोड़ लहरें आयीं और गयीं। मगर लहरों के बनते बिगड़ते रूप को लेकर सागर कभी चिंतित नहीं हुआ।

कल शाम सैकड़ों लोग समुद्र की लहरों से किल्लोल कर रहे थे। अभी जबकि सुबह के छह बजे हैं। एकाध लोग हैं। समुद्र गरज रहा है। मैं समुद्र किनारे बैठा हूं। समुद्र पर काला अंधेरा फैला है, हहराती लहरें हैं। सिर्फ समुद्र की लहरों के सफेद झाग दिखाई पड़ते हैं। निरंतर समुद्र की आवाजें सुनाई पड़ रही हैं। देश? में भी रोर और शोर है। एक तो शंकराचार्य को लेकर और दूसरे यूजीसी के नये नियम को लेकर। यूपी सरकार सच्चे और झूठे शंकराचार्य की तलाश कर रही है। उसे जैसे मन मुताबिक जनता चाहिए, वैसे ही अब मन मुताबिक शंकराचार्य चाहिए। शंकराचार्य और सरकार के बीच में 'धर्म और राजनीति' का विद्रूप रूप सतह पर है। शंकराचार्य पर पत्रकार ने आरोप मढ़ा कि आप राजनीति कर रहे हैं। इस पर शंकराचार्य ने जवाब दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंदिरों में पूजा-पाठ कर रहे हैं, वे क्या धर्म में प्रवेश नहीं कर रहे? मैं तो सिर्फ धर्म की सीमाओं में बात कर रहा हूं। प्रधानमंत्री धर्म की राजनीति कर रहे हैं और विद्रूप रूप में कर और करवा रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। वे आज राजनीति में टिके हुए हैं तो वजह धर्म ही है।

यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ सिंह ने अप्रत्यक्ष रूप से शंकराचार्य को कालनेमि कहा तो शंकराचार्य ने उन्हें औरंगजेब की उपाधि दे डाली। तथाकथित संतों और साधुओं के दो भाग हो गये हैं। ईश्वर की तलाश करते करते वे थक गये हैं। उन्हें कहीं ईश्वर मिल नहीं रहे, इसलिए सांसारिक दुनिया की उठा-पटक में शामिल हो गए हैं। धर्म के अखाड़ेबाज जिन्हें धर्म की शायद ही कोई जानकारी हो, वे इस लड़ाई में कूद पड़े हैं। अखाड़े बाज अपने अपने आश्रमों में कब्जा करने का ही धंधा करते हैं। धर्म अगर करूणा है, विवेक है, शांति की स्थापना है, अहिंसा है, तो ये सब गुण अब कहां हैं? दूसरी ओर जो? लोग कल तक हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए नरेंद्र मोदी जी के समर्थन में खड़े थे, आज यूजीसी के नये नियम पर इतने खफा हैं कि वे नरेंद्र मोदी को चुनौती दे रहे हैं कि इसे वापस करो, नहीं तो गद्दी से उतार देंगे। विश्वविद्यालय कैंपस में जातिवादी उत्पीड़न न हो, इसके लिए यूजीसी ने नये निर्देश जारी किए हैं। क्या ये लोग यह चाहते हैं कि विश्वविद्यालयों में जातिवादी उत्पीड़न होना चाहिए और उनकी हिन्दू राष्ट्र संबंधी संकल्पना के पीछे जातियों की गैर-बराबरी कायम रखना है? दरअसल हाथी मर जाता है, लेकिन जंजीर पर गर्व करते रहने की आदत है। जाति आधारित समाज का कोई भविष्य नहीं है। ऐसे समाज में आदमी क्रमशः मरता चला जाता है।

भरोसे एवं भारत की आवाज थे विरल पत्रकार मार्क टुली

> **भारत की समकालीन इतिहास-यात्रा में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल घटनाओं का वृत्तांत नहीं लिखते, बल्कि समय की चेतना में घुल-मिलकर स्वयं इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं। सर विलियम मार्क टुली, जिन्हें दुनिया भर में स्नेह और सम्मान से 'मार्क टुली' कहा गया, ऐसे ही विरल पत्रकार थे। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं है, बल्कि उस पत्रकारिता-दृष्टि का अवसान है, जिसमें सत्य सनसनी से ऊपर और संवेदना आंकड़ों से अधिक महत्वपूर्ण होती थी।**

ललित गर्ग

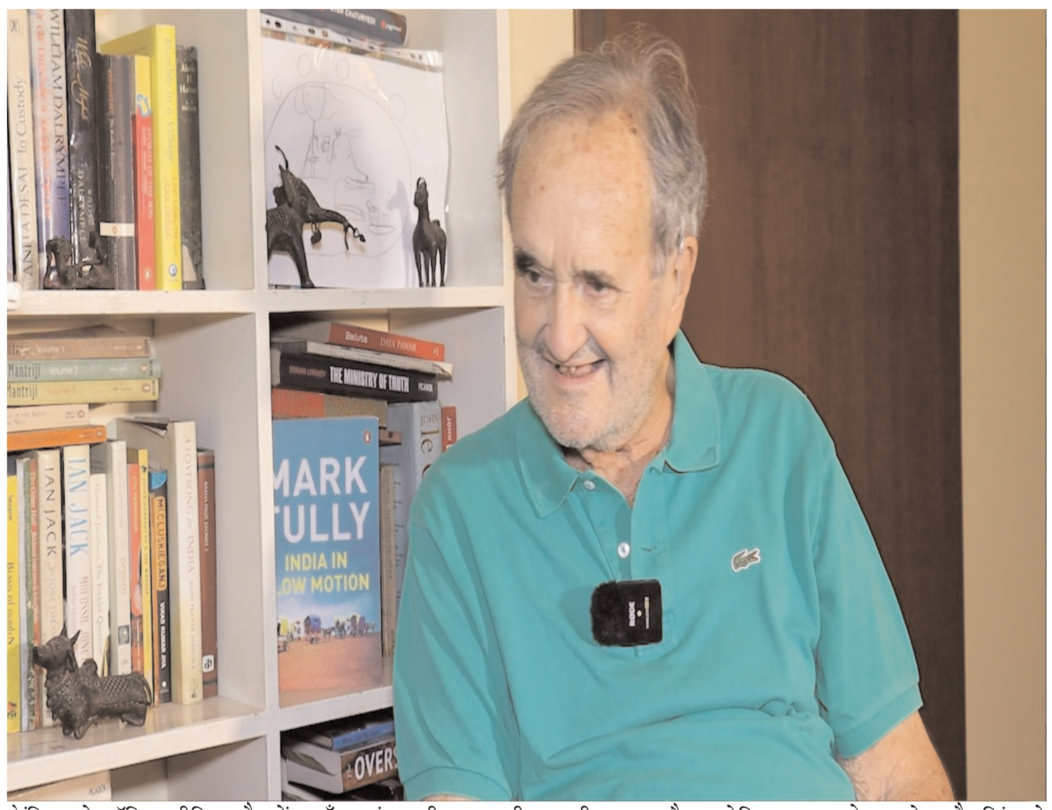

बीबीसी रेडियो की वह गूंजती हुई पंक्ति-'दिस इज मार्क टुली रिपोर्टिंग फ्रॉम दिल्ली', दशकों तक भारतीय उपमहाद्वीप में भरोसे, प्रामाणिकता और संतुलन का पर्याय बनी रही। मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा जिया और महसूस किया। एक समृद्ध ब्रिटिश परिवार में जन्म लेने के बावजूद दार्जिलिंग के बोर्डिंग स्कूलों और भारतीय जनजीवन की विविध छवियों ने उनके भीतर एक ऐसी आत्मीयता एवं संस्कार बो दिया, जो जीवन भर पुष्पित-पल्लवित होती रही। नौ वर्ष की आयु में जब वे इंग्लैंड गए तब भी भारत उनके भीतर जीवित रहा-स्मृतियों में संवेदनाओं में और दृष्टि में।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में धर्मशास्त्र का अध्ययन करते समय उन्होंने पादरी बनने का विचार किया था। यह तथ्य अपने-आप में बहुत कुछ कहता है, क्योंकि सत्य की खोज, नैतिक विवेक और मानवीय करुणा उनके व्यक्तित्व की मूल धुरी थीं। किंतु नियति ने उन्हें चर्च की सीमित दीवारों से बाहर निकालकर एक ऐसे मंच पर खड़ा कर दिया जहां वे पूरी मानवता से संवाद कर सकते थे। पत्रकारिता उनके लिए पेशा नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व थी। जब वे बीबीसी के संवाददाता के रूप में भारत लौटे, तो उन्होंने इसे एक असाइनमेंट नहीं बल्कि अपने घर लौटने जैसा अनुभव किया। मार्क टुली की पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत को पश्चिमी चश्मे से नहीं देखते थे। वे सत्ता के गलियारों से अधिक गांव की चौपाल, मंदिर-मस्जिद के आंगन, खेतों की मेड़ और आम आदमी की चिंता को महत्त्व देते थे। आपातकाल हो या इंदिरा गांधी की राजनीति, सिख विरोधी दंगे हों या बाबरी मस्जिद विध्वंस पंजाब का उग्रवाद हो या कश्मीर की पीड़ा-मार्क टुली ने हर विषय को संतुलन गहराई और मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के सामने रखा। वे घटनाओं के पीछे छिपी सामाजिक और सांस्कृतिक परतों को समझने की कोशिश करते थे, इसीलिए उनकी रिपोर्टिंग तत्कालीन शोर-शराबे से ऊपर उठकर स्थायी संदर्भ बन गई।

आज के आपाधापी और टीआरपी-केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दौर में जहाँ खबर से ज्यादा शोर और तथ्य से ज्यादा त्वरित प्रतिक्रिया को महत्व दिया जाता है मार्क टली की पत्रकारिता एक उजली कसौटी बनकर सामने आती है। टीवी स्टूडियो की तीखी बहसों चीखती हेडलाइनों और सतही विश्लेषण के उलट मार्क टली ने यह सिद्ध किया कि शांत, संयमित और तथ्यपरक संवाद भी उतना ही प्रभावशाली होता है बल्कि अधिक विश्वसनीय होता है। उनकी पत्रकारिता दिल्ली के सत्ता-केंद्र तक सीमित नहीं थी बल्कि वह भारत की आत्मा-गाँव कस्बे आम जन और उनकी पीड़ा से जुड़ी हुई थी। आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अक्सर सत्ता बाज़ार और सनसनी के दबाव में अपनी विश्वसनीयता खोता दिख रहा है, तब मार्क टली की शैली यह सिखाती है कि पत्रकारिता का असली धर्म प्रश्न पूछना सच को धैर्य से समझना और उसे बिना शोर के पूरे संदर्भ के साथ प्रस्तुत करना है। उनका जीवन आज के टीवी मीडिया के लिए एक मौन लेकिन सशक्त संदेश है कि भरोसे की आवाज़ ऊँची नहीं सच्ची होती है। मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता, बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई-ग्रामीण-शहरी गरीब-अमीर इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी, अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया। उन्होंने यह दिखाया कि यह देश विरोधाभासों के बावजूद नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ जीना जानता है। मार्क टुली की आवाज रेडियो के माध्यम से करोड़ों लोगों के घरों तक पहुंचती थी। वह दौर ऐसा था जब समाचार सुनने के लिए लोग घड़ी देखकर रेडियो ऑन करते थे। उनकी रिपोर्टिंग में नाटकीयता नहीं बल्कि सजीवता-ठहराव था। वे कहते थे कि भारत को समझने के लिए अपनी घड़ी उतारकर रखनी पड़ती है। यह कथन केवल समय-संस्कृति की बात नहीं करता बल्कि उस धैर्य और विनम्रता की ओर संकेत करता है जिसके बिना भारत जैसे देश को समझा नहीं जा सकता। यही धैर्य उनकी पत्रकारिता में झलकता था। एक विदेशी होकर भी उन्होंने भारतीयता पर गर्व करना सिखाया वह भी उस समय जब हम स्वयं अपनी जड़ों को लेकर संशय में थे। उनकी पुस्तकों और कार्यक्रमों में भारत केवल खबर नहीं बल्कि एक जीवंत सभ्यता के रूप में उपस्थित रहता है। नो फुल स्टॉप्स इन इंडिया जैसी कृतियां भारत की निरंतर चलती कहानी को सामने लाती हैं जहां कोई अंतिम विराम नहीं केवल प्रवाह है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की अव्यवस्थाओं की आलोचना भी की लेकिन वह आलोचना स्नेह और चिंता से भरी होती थी उपेक्षा या उपहास से नहीं। ब्रिटिश सरकार द्वारा नाइटहुड और भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना उनके योगदान की औपचारिक स्वीकृति है लेकिन उनकी असली विरासत वह विश्वास है जो भारतीय जनता ने उन पर किया। लोग उनकी बात इसलिए मानते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि यह व्यक्ति भारत को समझता है उसे चाहता है और उसके साथ ईमानदार है। आज के दौर में जब पत्रकारिता तेजी से बदल रही है प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड में नई तकनीक के दबाव में हांफ रही है तब मार्क टुली की कमी और अधिक महसूस होती है। उनका जाना उस युग का अंत है, जहां शब्दों की गरिमा थी और तथ्य पवित्र माने जाते थे। वे हमें यह सिखाकर गए कि पत्रकारिता सूचना का व्यापार नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। भारत की मिट्टी में जन्मा विदेशी धरती पर शिक्षित और अंततः भारत की ही गोद में समा जाने वाला यह व्यक्तित्व सदैव स्मृतियों में जीवित रहेगा। वे ऐसे विदेशी साक्षी थे जिन्होंने भारत को केवल दुनिया की नजरों में ही नहीं बल्कि भारतीयों की अपनी नजरों में भी नई गरिमा दी। मार्क टुली का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सीमाएं नागरिकता तय कर सकती हैं संवेदनाएं नहीं। उनकी आवाज भले ही अब रेडियो पर न गूंजे, लेकिन भारत की आत्मा में उनकी प्रतिध्वनि लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी।

वंदे मातरम भावनात्मक रूप से अत्यंत शक्तिशाली गीत है, लेकिन या उसे कानूनी अनिवार्यता में बदलना संवेदनशील कदम होगा?

> **वैश्विक स्तरपर भारत में राष्ट्रबोध केवल भूगोल या सत्ता से नहीं, बल्कि प्रतीकों, भावनाओं और सांस्कृतिक चेतना से निर्मित होता है।वंदे मातरम ऐसा ही एक गीत है,जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को शब्ददिए भावनाओं को स्वर दिया और जनमानस को एक सूत्र में बांधा।वर्ष 2026 में, जब भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है और वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्र सरकार साल-भर उत्सव आयोजित कर रही है, तब यह प्रश्न फिर से केंद्र में आ गया है कि क्या राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी राष्ट्रगान जन गण मन जैसा औपचारिक दर्जा और प्रोटोकॉल मिलना चाहिए।**

किशन सनमुखदास

वंदे मातरम्-केवल गीत नहीं, स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा -वंदे मातरम की रचना 1870 के दशक में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह गीत केवल साहित्यिक कृति नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक दमन के दौर में उभरती राष्ट्रीय चेतना का घोष था। 1905 से 1908 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान यह गीत नारे में बदल गया।ब्रिटिश सत्ता को यह गीत इतना असहज करता था कि कई स्थानों पर इसके गायन पर प्रतिबंध लगाया गया। इस प्रकार वंदे मातरम स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बन गया, जिसने लाखों भारतीयों को त्याग, बलिदान और संघर्ष के लिए प्रेरित किया।संविधान में राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत का अंतर- भारतीय संविधान ने राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के बीच एक स्पष्ट भेद स्थापित किया है। जन गण मन को आधिकारिक रूप से राष्ट्रगान का दर्जा प्राप्त है, जबकि वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता दी गई है। संविधान के अनुच्छेद 51ए(ए) के तहत नागरिकों पर राष्ट्रगान का सम्मान करना एक मौलिक कर्तव्य है।इसके पाठ,अवधि, प्रस्तुति और सम्मान से जुड़े नियम गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी किए गए हैं। इसके विपरीत, वंदे मातरम को लेकर न तो संविधान में स्पष्ट प्रावधान हैं और न ही इसके गायन या सम्मान से जुड़े कोई बाध्यकारी कानूनी नियम। सरकार की नई तैयारी और हाई लेवल बैठक हालिया मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गृह मंत्रालय ने एक हाई- लेवल बैठक बुलाई, जिसमें वंदे मातरम को राष्ट्रगान जैसा दर्जा देने की संभावनाओं पर विचार किया गया। इस बैठक में यह चर्चा हुई कि क्या वंदे मातरम के गायन के लिए भी कोई तय नियम आचार संहिता या प्रोटोकॉल होना चाहिए। बैठक में यह भी विचार किया गया कि क्या इस गीत के गायन के समय खड़ा होना अनिवार्य किया जाए और क्या इसके अपमान पर सटीक दंडात्मक प्रावधान बनाए जाएं। साथियों बात अगर हम 1971 का अधिनियम औरउसकी सीमाओं को समझने की करें तो राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण अधिनियम1971 राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के प्रति अनादर को रोकने के लिए बनाया गया था। इस कानून के तहत राष्ट्रगान के गायन में बाधा डालना या उसका अपमान करना दंडनीय अपराध है। हालांकि, इस अधिनियम में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के लिए कोई स्पष्ट दंडात्मक प्रावधान नहीं है। यही कारण है कि वर्षों से यह बहस चल रही है कि क्या इस कानून के दायरे को बढ़ाकर राष्ट्रीय गीत को भी शामिल किया जाना चाहिए।पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर की गई हैं जिनमें मांग की गई है कि राष्ट्रीय गीत के गायन के लिए एक स्पष्ट ढांचा तैयार किया जाए। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि जब वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्राप्त है,तो उसके सम्मान और अपमान को लेकर भी कानूनी स्पष्टता होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर कुछ याचिकाओं में यह चिंता भी जताई गई है कि अनिवार्यता थोपना व्यक्तिगत स्वतंत्रता और धार्मिक विविधता के सिद्धांतों से टकरा सकता है। साथियों बात अगर हम खड़ा होना- सम्मान या बाध्यता? इसको समझने की करें तो राष्ट्रगान के समय खड़ा होना कानूनी और सामाजिक रूप से स्थापित मानक है। इसके पीछे तर्क यह है कि राष्ट्रगान संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। लेकिन वंदे मातरम के मामले में स्थिति भिन्न है। ऐतिहासिक रूप से इस गीत के कुछ शब्दों को लेकर धार्मिक आपत्तियां भी उठती रही हैं, विशेषकर कुछ अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा। इसी कारण संविधान सभा ने भी इसे राष्ट्रगान के बराबर कानूनी दर्जा नहीं दिया था। अब यदि खड़ा होना अनिवार्य किया जाता है, तो यह सवाल उठता है कि क्या यह स्वैच्छिक सम्मान से अधिक बाध्यकारी राष्ट्रवाद को जन्म देगा?

साथियों बात अगर हम राजनीतिक और वैचारिक आयाम के दृष्टिकोण से समझने की करें तो सत्ताधारी पार्टी का कहना है कि यह पहल वंदे मातरम के सम्मान को बढ़ाने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का प्रयास है। पार्टी इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में देखती है। वहीं विपक्षी दलों और कुछ नागरिक समूहों का आरोप है कि यह कदम भावनात्मक मुद्दों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने जैसा है। उनका तर्क है कि राष्ट्रभक्ति कानून से नहीं, भावना से आती है।

साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण- प्रतीक और स्वतंत्रता के एंगल से समझने की करें तो,दुनियाँ के कई लोकतांत्रिक देशों में राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान के नियम मौजूद हैं,लेकिन वहां भी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का ध्यान रखा जाता है। अमेरिका में राष्ट्रगान के समय खड़े होना सामाजिक परंपरा है, कानूनी बाध्यता नहीं। यूरोपीय देशों में भी सम्मान की अपेक्षा की जाती है, लेकिन दंडात्मक प्रावधान सीमित हैं।भारत यदि वंदे मातरम के लिए सख्त कानूनी नियम बनाता है, तो यह वैश्विक लोकतांत्रिक मानकों के साथ संतुलन का प्रश्न खड़ा करेगा।यह पूरी बहस संविधान और सांस्कृतिक भावना के बीच संतुलन की है। संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, वहीं राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान राष्ट्र की गरिमा से जुड़ा है।वंदे मातरम भावनात्मक रूप से अत्यंत शक्तिशाली गीत है, लेकिन उसे कानूनी अनिवार्यता में बदलना संवेदनशील कदम होगा।विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को दंडात्मक कानून बनाने के बजाय स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। जैसे किन अवसरों पर वंदे मातरम गाया जाए,उसके दौरान सम्मानजनक आचरण क्या हो, और किस प्रकार इसे राष्ट्रगान के समानांतर सम्मान दिया जाए, बिना इसे बाध्यता बनाए। इससे सम्मान भी बढ़ेगा और विवाद भी कम होंगे।26 जनवरी 2026 की थीम वंदे मातरम रखना प्रतीकात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यह भारत की ऐतिहासिक स्मृति औरआधुनिक राष्ट्र-राज्य के बीच सेतु बनाता है। यदि सरकार इस अवसर को संवाद,सहमति और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है,तो वंदे मातरम न केवल एक गीत, बल्कि राष्ट्रीय एकता का साझा प्रतीक बन सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान जैसा प्रोटोकॉल देने की बहस केवल कानूनी नहीं,बल्कि भावनात्मक ऐतिहासिक और वैचारिक है। यह प्रश्न केवल खड़ा होने या न होने का नहीं, बल्कि इस बात का है कि भारत अपने राष्ट्रवाद को कैसे परिभाषित करता है, अनिवार्यता से या स्वैच्छिक सम्मान से। यदि यह संतुलन साधा गया, तो वंदे मातरम अपनी ऐतिहासिक गरिमा को बनाए रखते हुए आधुनिक भारत की लोकतांत्रिक आत्मा का प्रतीक बन सकता है।

किसान शेषमन ने सिंगहत उपार्जन केंद्र में 166 क्विंटल धान का किया सफल विक्रय

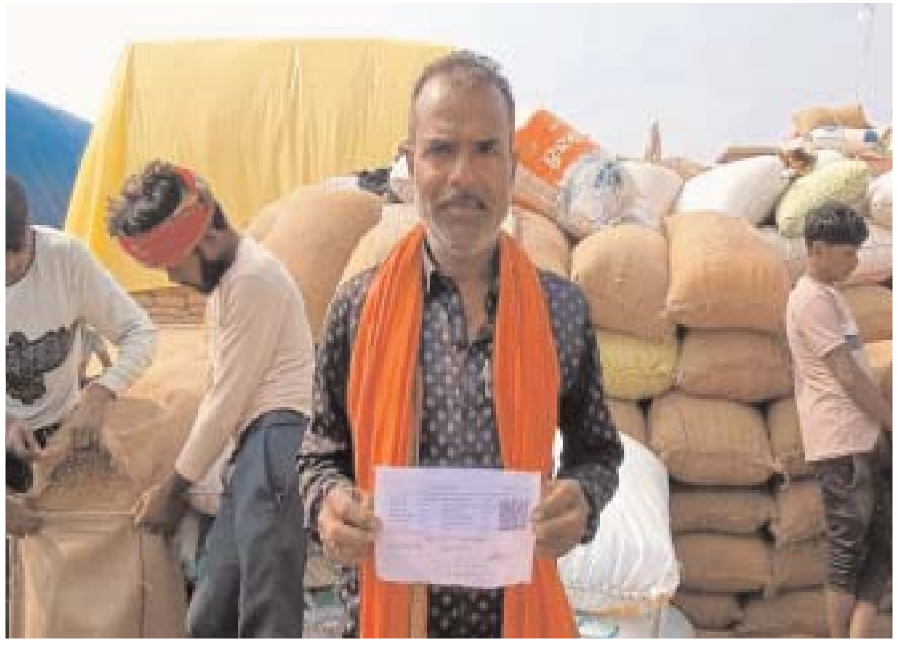

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में लागू की गई तकनीक आधारित डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था आज किसानों के भरोसे का मजबूत आधार बन चुकी है। यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी, पारदर्शी और भरोसेमंद है इसका सशक्त उदाहरण ग्राम ठग्गांव निवासी किसान शेषमन के अनुभव से स्पष्ट रूप से सामने आता है। किसान शेषमन ने सिंघत उपार्जन केंद्र में कुल 166 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। शासन द्वारा निर्धारित 3100 प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य के अंतर्गत उन्हें अपनी संपूर्ण उपज का उचित एवं लाभकारी मूल्य प्राप्त हुआ धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और पूर्णतः समयबद्ध रही जिससे किसान को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा धान विक्रय हेतु किसान शेषमन का टोकन ऑफलाइन माध्यम से जारी किया गया था इसके बावजूद उपार्जन केंद्र में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहीं यह इस बात का प्रमाण है कि डिजिटल प्रणाली के साथ-साथ उन किसानों के लिए भी प्रभावी वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं जो ऑनलाइन प्रक्रियाओं से पूर्णतः सहज नहीं हैं। उपार्जन केंद्र में किसानों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। डिजिटल कांटे से सटीक तौल सुव्यवस्थित भुगतान प्रक्रिया तथा भीड़-भाड़ से मुक्त वातावरण ने पूरी व्यवस्था को अत्यंत भरोसेमंद और किसान-हितैषी बनाया। अपने अनुभव साझा करते हुए किसान शेषमन ने बताया कि पूर्व वर्षों में धान विक्रय के दौरान अनिश्चितता और भुगतान में देरी आम समस्या थी किंतु इस वर्ष लागू की गई तकनीक आधारित डिजिटल व्यवस्था से उन्हें मानसिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर राहत मिली है। शासन की डिजिटल धान खरीदी प्रणाली आज पारदर्शिता विश्वास और सुशासन का सशक्त उदाहरण बनकर उभर रही है जो किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का प्रभावी माध्यम सिद्ध हो रही है।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे और अमृतधारा महोत्सव की तैयारियों को लेकर की विस्तृत चर्चा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने वर्चुअल माध्यम से जिले के समस्त विभागों की एक विस्तृत, गहन एवं अत्यंत महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित समस्त शासकीय योजनाओं जिला खनिज न्यास मद से स्वीकृत एवं प्रगतिरत विकास कार्यों विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों तथा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री पोर्टल जनदर्शन और ई-शिकायत पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर निराकरण सुनिश्चित करना रहा। कलेक्टर ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी बैठक में कलेक्टर ने 16 अथवा 17 फरवरी 2026 को प्रस्तावित मुख्यमंत्री के जिले के दौरा कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान सरगुजा प्राधिकरण से संबंधित आवश्यक जानकारियां साझा की गईं कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जगन्नाथ मंदिर, चिरमिरी आगमन प्रस्तावित है जिसे दृष्टिगत रखते हुए सभी विभागों से आपसी समन्वय स्थापित कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री द्वारा की जाने वाली संभावित घोषणाओं से संबंधित जानकारी सभी विभागों को समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए बैठक में सरगुजा प्राधिकरण अंतर्गत अप्रारंभ कार्यों की जानकारी सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त बजट से संबंधित जानकारी की समीक्षा की गई तथा आबकारी विभाग द्वारा नागपुर, कोटाडोल एवं चिरमिरी में प्रीमियम मदिरा दुकान खोलने से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के अंतर्गत स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए वहीं कलेक्टर ने 15 फरवरी 2026 को लाई में आयोजित होने वाले अमृतधारा महोत्सव की जानकारी देते हुए सभी विभागों को महोत्सव में स्टॉल लगाने सभी जिला अधिकारियों को मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने तथा आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट कहा कि महोत्सव के सफल आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी बैठक में स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम सहित सभी विभागों को रोस्टर अनुकंपा नियुक्ति एवं रिक्त पदों की जानकारी संचालनालय एवं जिला मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अनुकंपा नियुक्ति में आरक्षण रोस्टर की आवश्यकता नहीं होती। स्वास्थ्य विभाग, आदिवासी विभाग, पुलिस विभाग, पंचायत एवं शिक्षा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को पदोन्नति से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

कॉलोनी में बिना अनुमति निर्माण का दावा : कॉलोनी के लोग बोल 300 परिवारों पर पड़ रहा असर बाउंड्री से हादसे का डर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर की खाटू श्याम कॉलोनी में एक निजी निर्माण कार्य कॉलोनी वासियों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। कॉलोनी वासियों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका को शिकायत देकर सड़क पर फैली काली मिट्टी हटाने टूट चुकी बाउंड्री की मरम्मत कराने और बेसमेंट (तलघर) निर्माण की अनुमति की जांच कराने की मांग की है। कॉलोनी निवासी अजय शर्मा ने बताया कि दीपक गुप्ता द्वारा बेसमेंट का निर्माण कराया जा रहा है निर्माण के दौरान बेसमेंट के ऊपर बनाई गई बाउंड्री टूट गई है जिससे सड़क से गुजरने वाले वाहन सीधे बेसमेंट के गड्ढे में गिर सकते हैं। इस मार्ग से रोजाना बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं निकलते हैं जिनके लिए यह स्थिति अत्यंत जोखिम भरी हो गई है अजय शर्मा के अनुसार, बेसमेंट की खुदाई से निकली काली मिट्टी को कॉलोनी की मुख्य सड़क पर ही डाल दिया गया है बारिश के कारण यह मिट्टी गीली होकर बेहद फिसलन भरी हो गई है। नतीजतन बाइक सवार लगातार फिसलकर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं बारिश के चलते दुर्घटना की आशंका और भी बढ़ गई है इस लापरवाही का असर करीब 300 परिवारों पर पड़ रहा है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि संभावित हादसे के डर से स्कूल बस को इस रास्ते से आने से मना कर दिया गया है मजबूरी में अभिभावक अपने बच्चों को मुख्य मार्ग तक पैदल छोड़ने जा रहे हैं ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके कॉलोनीवासियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई और कोई बड़ा हादसा हो गया तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित निर्माणकर्ता और प्रशासन की होगी उन्होंने मांग की है कि सड़क से काली मिट्टी तुरंत हटवाई जाए।

हाइटेंशन लाइन बिछाने गड्ढे खोदने पर किसान नाराज : फसल हो रही बर्बाद; खेत ने निकल रहे जेसीबी, डंपर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। अमारा गांव में बिजली विभाग द्वारा बिछाई जा रही हाइटेंशन लाइन किसानों के लिए समस्या का कारण बन गई है। खेतों में खड़ी फसलों के बीच टॉवर लगाने के लिए गड्ढे खोदे जा रहे हैं जिससे किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। इससे आक्रोशित किसानों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है ग्रामीण अरविंद यादव ने बताया कि इस समय खेतों में फसलें पूरी तरह खड़ी हैं बिजली विभाग के ठेकेदार द्वारा टॉवर लगाने के लिए खेतों में गड्ढे खोदे जा रहे हैं इसके साथ ही, डंपर, जेसीबी और मिक्सर जैसे भारी वाहनों के लिए कोई अलग रास्ता न होने के कारण ये वाहन सीधे खेतों से होकर गुजर रहे हैं इससे कई बीघा की फसलें कुचलकर नष्ट हो चुकी हैं जब उन्होंने इस संबंध में पटवारी और ठेकेदार से बात की तो उन्हें मुआवजे का आश्वासन दिया गया था हालांकि बाद में उन्हें पता चला कि केवल उन्हीं किसानों को मुआवजा मिलेगा जिनके खेत में टॉवर लगाया जाएगा रास्ते में भारी वाहनों से नष्ट हुई अन्य किसानों की फसलों के लिए कोई मुआवजा निर्धारित नहीं किया गया है इस स्थिति से नाराज किसानों ने मांग की है कि जब तक खेतों में खड़ी फसल पककर कटाई के योग्य नहीं हो जाती, तब तक हाइटेंशन लाइन और टॉवर निर्माण का कार्य रोका जाए किसानों का कहना है कि इससे उनकी मेहनत और फसल को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा।

दिव्यांग को मिली पहली ट्राइसाइकिल :विपक्ष की पहल के बाद सिंधिया की अनुशंसा पर दूसरी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। दिव्यांग अशफाक खान इन दिनों चर्चा में हैं दो वर्षों तक बैटरी चालित ट्राइसाइकिल के लिए भटकने के बाद उन्हें अब दो ट्राइसाइकिल मिलने जा रही हैं एक विपक्ष की पहल पर मिली है जबकि दूसरी सत्ता पक्ष की अनुशंसा पर स्वीकृत हुई है कुछ समय पहले शिवपुरी की जनसुनवाई में अशफाक खान ने बैटरी चालित ट्राइसाइकिल की मांग को लेकर अधिकारियों के सामने अपनी नाराजगी व्यक्त की थी उन्होंने प्रशासन पर दो साल से टालमटोल और सुनवाई न करने का आरोप लगाया था स्थिति इतनी बढ़ गई थी कि कर्मचारियों को उन्हें जनसुनवाई कक्ष से बाहर ले जाना पड़ा था। अशफाक ने कलेक्टर को हटाने की भी मांग की थी प्रशासनिक प्रतिक्रिया से निराश अशफाक को पहली ट्राइसाइकिल नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार की पहल पर मिली ग्वालियर के विधायक सतीश सिकरवार ने यह ट्राइसाइकिल भिजवाई थी जिसे कांग्रेस नेताओं ने अशफाक के घर जाकर सौंपा यह मामला यहीं समाप्त नहीं हुआ अब केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया की अनुशंसा पर अशफाक को एक और बैटरी चालित ई-ट्राइसाइकिल मिलने वाली है

सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत इसके लिए 60 हजार रुपये की प्रशासकीय और वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है।

बीएड छात्रों ने पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण किया, मूर्तियों और ऐतिहासिक अवशेषों की जानकारी दी गई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। डॉ. आरएनएस शिक्षा महाविद्यालय के बीएड छात्राध्यापक और छात्राध्यापिकाएं ग्राम छिपछिपी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें क्षेत्र की ऐतिहासिक और पुरातात्विक विरासत से प्रत्यक्ष परिचय मिला पुरातत्व और पर्यटन विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पाण्डेय ने प्राचीन पुरातात्विक मूर्तियों और ऐतिहासिक अवशेषों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को मूर्तियों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि उनके संरक्षण का महत्व और क्षेत्रीय संस्कृति में योगदान सरल और रोचक ढंग से समझाया छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और प्रत्यक्ष अध्ययन के माध्यम से ज्ञान अर्जित किया डॉ. पाण्डेय ने बताया कि ऐसे स्थल हमारे गौरवशाली अतीत के साक्ष्य हैं और भावी पीढ़ी को इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का माध्यम हैं महाविद्यालय स्टाफ की उपस्थिति भ्रमण में महाविद्यालय के अध्यक्ष राजेश शर्मा, उपाध्यक्ष अनिता शर्मा, प्राचार्य सहित समस्त सहायक प्राध्यापक और स्टाफ उपस्थित रहे भ्रमण में बीएड प्रथम और चतुर्थ सेमेस्टर के सभी छात्राध्यापक और छात्राध्यापिकाएं शामिल हुए वनभोज कार्यक्रम से बढ़ी टीम भावना शैक्षणिक गतिविधियों के साथ वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कांग्रेसियों ने नगर पालिका कार्यालय का घेराव किया पार्षद निधि में भ्रष्टाचार का आरोप, उग्र आंदोलन की भी दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पार्षदों ने नगर पालिका कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेडिंग तोड़कर मुख्य गेट तक पहुंचकर धरना दिया कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पार्षद निधि में भ्रष्टाचार हुआ है और कांग्रेस पार्षदों के वार्डों के साथ जानबूझकर भेदभाव किया जा रहा है उनका कहना है कि सत्ताधारी पक्ष के वार्डों में विकास कार्य हो रहे हैं, जबकि कांग्रेस पार्षदों के क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था जैसे आवश्यक कार्य लंबे समय से अधूरे पड़े हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से एक माह के भीतर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की चेतावनी दी कि यदि तय समय-सीमा में उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी तहसीलदार को सौंपा गया ज्ञापन प्रदर्शन की गंभीरता को देखते हुए जिले के बाहर से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया था नगर पालिका परिसर और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन तहसीलदार मनेंद्रगढ़ को सौंपा। प्रशासन की ओर से जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है हालांकि कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वे केवल आश्वासन नहीं बल्कि ठोस कार्रवाई चाहते हैं भेदभाव के आरोपों को किया खारिज इस मामले में नगर पालिका के सीएमओ इसहाक खान ने बताया कि पार्षदों की नाराजगी पहली किस्त की पार्षद निधि को लेकर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस समय यह राशि खर्च हुई उस समय वे यहां पदस्थ नहीं थे ।

ग्रामीण एवं आदिवासी युवाओं ने दिखाई अपनी खेल प्रतिभा

जूनियर और सीनियर वर्ग में एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल सहित अनेक खेलों की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग निर्देशानुसार आयोजित सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 प्रतियोगिता की श्रृंखला के अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों में तिथिवार खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज भरतपुर विकासखंड में सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 का भव्य, उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय शुभारंभ किया गया आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों को खेल भावना अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश दिया गया शुभारंभ के पश्चात विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ हुईं जिनमें ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की रगुजा ओलम्पिक 2025-26 के अंतर्गत एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती, खो-खो, वॉलीबॉल, तीरंदाजी सहित अनेक खेलों का आयोजन किया जा रहा है प्रतियोगिताएं जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित की जा रही हैं जिससे जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शन एवं पहचान बनाने का सशक्त मंच प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं खेल अधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सरगुजा ओलम्पिक ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को निखारने खेल संस्कृति को मजबूत करने तथा युवाओं को सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रतियोगिता स्थल पर खिलाड़ियों एवं दर्शकों में विशेष उत्साह एवं उल्लास का वातावरण देखने को मिला। सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 के सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन एवं खेल विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं अनुशासित ढंग से संपन्न हो सकें इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती रवि शंकर सिंह जिला पंचायत सदस्य अनिता सिंह, बेलाबाई, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह उपाध्यक्ष हीरा लाल मोर्य, सदस्य सुखलाल मरावी, नगर पंचायत जनकपुर अध्यक्ष कौशल प्रसाद पटेल, पार्षद जीतेश नामदेव, मालती मदन तिवारी, विधायक प्रतिनिधि दुर्गा शंकर मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष नरेश यादव, जिला मंत्री पवन शुक्ला, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी अनिल पटेल एवं मण्डल संयोजक संजय पटेल सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

बाल-बाल बचे यात्री कोहरे और साइन बोर्ड नहीं होने से मिट्टी के ढेर पर चढ़ी बस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। यहां पूरनखेड़ी गांव के पास एक स्लीपर बस और कंटेनर में भिड़ंत हो गई हादसे में बस में सवार यात्री बाल-बाल बच गए, हालांकि कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं घटना भगवती वेयरहाउस के पास ओवरब्रिज पर चल रहे मेंटेनेंस कार्य के कारण बनाए गए डायवर्जन पर हुई हादसा बुधवार सुबह करीब 5 बजे हुआ इंदौर से शिवपुरी जा रही फ्लाई बस सर्विस की स्लीपर कोच बस फोर-लेन पर रखे मिट्टी के ढेर पर चढ़ गई इसी दौरान पीछे से आ रहे कंटेनर बस को टक्कर मार दी टक्कर लगने से बस में तेज झटका लगा जिससे यात्रियों को हल्की चोटें आईं गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं लगी चेतावनी बोर्ड पास होने से नहीं दिखा रास्ता दुर्घटना का मुख्य कारण ओवरब्रिज मेंटेनेंस के चलते किया गया डायवर्जन बताया जा रहा है सुबह के समय हल्का कोहरा और खराब मौसम था प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एनएचएआई द्वारा चेतावनी साइन बोर्ड काफी नजदीक लगाए गए थे जिससे चालकों को समय पर डायवर्जन का संकेत नहीं मिल सका और यह हादसा हो गया जनवरी में इसी बस सर्विस का दूसरा एक्सीडेंट फ्लाई बस सर्विस की बस के साथ जनवरी महीने में यह दूसरी दुर्घटना है इससे पहले 31 दिसंबर और 1 जनवरी की दरमियानी रात को भी कोलारस थाना क्षेत्र के भड़ौता ओवरब्रिज पर इसी ट्रेवल्स की बस की एक ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हुई थी उस समय भी हादसे की वजह एनएचएआई की खराब सड़क व्यवस्था और वन-वे डायवर्जन को बताया गया था।

भोपाल में राज्यपाल की मौजूदगी में बीटिंग द रिट्रीट से गणतंत्र दिवस समारोह का होगा भव्य समापन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र) मध्यप्रदेश में गणतंत्र दिवस समारोह का समापन 29 जनवरी को बीटिंग द रिट्रीट समारोह के साथ होगा। समारोह का आयोजन राज्यपाल मंगूभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में शाम 4:30 बजे जहांगीराबाद स्थित लाल परेड मैदान में किया जाएगा। बुधवार को पुलिस महानिरीक्षक इरशाद वली के मार्गदर्शन में बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम की फाइनल रिहर्सल आयोजित की गई। इस दौरान मुख्य अतिथि की भूमिका सातवीं बटालियन के प्रधान आरक्षक राजमणि सिंह बघेल ने निभाई। कार्यक्रम में उप पुलिस महानिरीक्षक मध्य क्षेत्र एसएएफ ओमप्रकाश त्रिपाठी, सेनानी 7वीं वाहिनी हितेश चौधरी, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पुलिस बैण्ड द्वारा संगीतमय कॉन्सर्ट, पुलिस ब्रास बैण्ड और आर्मी बैंड द्वारा डिस्प्ले तथा पाईप बैण्ड द्वारा मनोहारी प्रस्तुतियां दी जाएंगी। समारोह की शुरूआत राज्यपाल के आगमन के साथ होगी। इसके बाद पुलिस ब्रास बैण्ड द्वारा क्लासिकल धुनों के साथ नई एवं पुरानी फिल्मों के गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। पुलिस और आर्मी बैंड द्वारा मार्चपास्ट और सामूहिक प्रदर्शन के बाद गार्ड द्वारा ध्वज अवरोहण पिस्टल/एलएमजी फायर रंगीन लाईटिंग और आतिशबाजी से कार्यक्रम का समापन होगा। बीटिंग द रिट्रीट एक प्राचीन सैन्य परंपरा है, जब युद्ध में सैनिक सूर्यास्त के समय या उसके तुरंत बाद युद्ध करना बंद करते थे। बिगुल बजने के बाद सैनिक अपने हथियार बंद कर युद्ध क्षेत्र से हट जाते थे। इसी परंपरा के तहत समारोह में मार्शल संगीत और बैंड कार्यक्रम शामिल होता है, जिसके बाद रिट्रीट धुन बजाई जाती है और राष्ट्रीय ध्वज उतारकर राष्ट्रगान गाया जाता है। आधुनिक भारत में यह समारोह गणतंत्र दिवस का औपचारिक समापन दर्शाता है। हर वर्ष 29 जनवरी की शाम यह कार्यक्रम केवल नई दिल्ली और भोपाल में आयोजित होता है। समारोह में देशभक्ति, लोकसंगीत और भारतीय शास्त्रीय संगीत की धुनें बजाई जाती हैं। मध्यप्रदेश पुलिस बैंड द्वारा बैण्ड डिसप्ले, लोकप्रिय मार्चिंग धुन और ड्रमर कॉल प्रस्तुत की जाती है। अंतिम चरण में बैण्ड मास्टर राज्यपाल के समक्ष जाकर अनुमति प्राप्त करता है और सूर्यास्त के समय रिट्रीट धुन के साथ राष्ट्रीय ध्वज उतार लिया जाता है। इस भव्य आयोजन में आतिशबाजी के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का औपचारिक समापन होगा, जो नागरिकों और सुरक्षा बलों के लिए यादगार अनुभव साबित होगा।

दमोह SBI बैंक से किसान के 42 हजार रुपए चोरी

दमोह एजेंसी। दमोह जिले के पटेरा स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से एक किसान के 43,000 रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने आरोप लगाया है कि बैंक परिसर के भीतर उसके थैले को काटकर यह राशि चुराई गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कुम्हारी थाना क्षेत्र के सगौनी गांव निवासी किसान दशरथ विश्वकर्मा ने बताया कि उन्होंने धान बेचकर मिली राशि अपने बैंक खाते में जमा की थी। गुरुवार दोपहर वह पटेरा स्थित एसबीआई बैंक की शाखा में 50,000 रुपए निकालने पहुंचे थे।दशरथ विश्वकर्मा के अनुसार, उन्होंने कैशियर से 50,000 रुपये निकाले और उन्हें अपने थैले में रखकर दूसरे काउंटर पर खड़े हो गए।

रतलाम में जुआ-सट्टा खेलते 16 लोगों का जुलूस: पुलिस ने थाने से पैदल ले जाकर गाड़ी में बैठाया, कैमरे देख मुंह छिपाने लगे

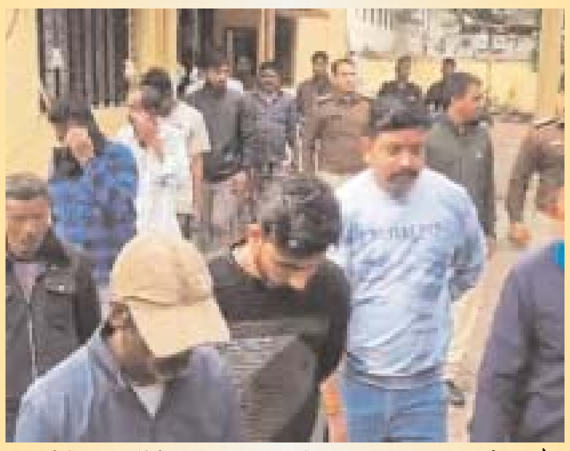

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम शहर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती दिखाई है। मंगलवार दोपहर पुलिस ने शहर के 4 थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए जुआ-सट्टा और अन्य अवैध धंधों में लिप्त 16 गुंडे-बदमाशों को गिरफ्तार किया। इन सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सभी को स्टेशन रोड थाने से निकालकर एसडीएम कोर्ट में पेश किया।

कैमरे देख छिपाने लगे चेहरा : सभी आरोपियों को पहले स्टेशन रोड थाने पर इकट्ठा किया गया। इसके बाद पुलिस उन्हें थाने से बाहर पैदल लेकर आई और पुलिस वाहन में बैठाया। जब पुलिस इनका जुलूस निकालते हुए ले जा रही थी, तो कैमरे देखते ही ये बदमाश शर्मिंदगी और डर के मारे अपना मुंह छिपाने लगे। इस दौरान मौके पर एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया समेत चारों थानों के टीआई मौजूद रहे।

एसपी के निर्देश पर अभियान जारी : एएसपी राकेश खाखा ने बताया कि एसपी अमित कुमार के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने जुआ-सट्टा समेत विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें पकड़ा है। उन्होंने कहा कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा और गुंडे-बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

धार में 2.3 डिग्री गिरा पारा, ठंडक बढ़ी :हल्का कोहरा छाया, किसान बोले- ठंड से फसलों को फायदा

धार,(निप्र)। धार शहर में पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। बीते दो दिनों में न्यूनतम तापमान में करीब 2.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ठंड का असर एक बार फिर बढ़ गया है। मंगलवार को शहर का न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो बुधवार को गिरकर करीब 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। तापमान गिरने के साथ ही सुबह के समय हल्का कोहरा भी देखने को मिला।

खेती पर भी दिख रहा असर : मौसम में आए इस बदलाव का असर खेती पर भी पड़ रहा है। किसानों के अनुसार, मौजूदा ठंड गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, जिससे अच्छी पैदावार की उम्मीद है। हालांकि, कुछ किसानों का कहना है कि चना और अन्य फसलों को ज्यादा ठंड से नुकसान हो सकता है।

किसान बोले—मौसम पर रख रहे नजर : किसान महेश ने बताया कि ठंड से गेहूं की बढ़वार अच्छी होती है, लेकिन अगर तापमान और ज्यादा गिरता है तो दूसरी फसलों पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। फिलहाल किसान मौसम की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

नवग्रह मेले में बच्चों संग बड़ों ने लिया झूलों का आनंद

खरगोन,(निप्र)। शहर में चल रहे नवग्रह मेले में छुट्टी के दिन बच्चों के साथ-साथ बड़ों ने भी भरपूर आनंद लिया। मेले में झूलों और तरह-तरह के व्यंजनों के साथ खरीदारी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मेले में लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी, जो देर रात तक बनी रही। खिलौनों की दुकानों पर बच्चों ने परिजनों के साथ पसंदीदा खिलौने खरीदे, वहीं महिलाओं ने सौंदर्य प्रसाधन और घरेलू उपयोग की सामग्री की जमकर खरीदारी की। रविवार और सोमवार को मेले में अच्छी खासी भीड़ रही। व्यापारियों के अनुसार मेले में पिछले दो दिनों से प्रतिदिन 15 हजार से अधिक लोग पहुंचे। नवग्रह मेले का भूमिपूजन 25 दिसंबर को किया गया था। शहरवासियों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग मेले का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। व्यापारियों को बेहतर व्यापार की उम्मीद है। मेला 22 फरवरी तक चलेगा। अब और बढ़ेगी रौनक नगर पालिका के मेला अधिकारी महेश वर्मा ने बताया कि मेले में अब लगातार भीड़ बढ़ रही है। लोगों की चहल-पहल से व्यापारियों में भी उत्साह है। इस वर्ष नवग्रह मेले में 450 से अधिक व्यापारी शामिल हुए हैं। आगामी दिनों में मेले की रौनक और बढ़ने की उम्मीद है।

अशोकनगर में नाबालिग से रेप, 10 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

अशोकनगर (निप्र)। अशोकनगर जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र में 15 साल की किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार रात पड़ोस में चल रही एक बर्थ-डे पार्टी के दौरान हुई, जहां डीजे की तेज आवाज का फायदा उठाकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के महज 10 घंटे के भीतर आरोपी प्रेम सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। घटना वाली रात किशोरी पड़ोस में एक जन्मदिन की पार्टी में गई थी। वहां डीजे पर डांस चल रहा था और पीड़िता वहीं बैठकर देख रही थी। रात करीब 2 बजे आरोपी ने नाबालिग का हाथ पकड़ा और उसे खींचकर ले गया। डीजे की तेज आवाज के कारण पीड़िता की चीखें किसी को सुनाई नहीं दीं, जिसके बाद आरोपी ने उसके साथ गलत काम किया।

रायसेन में सीजन का पहली मावठा, ओले भी गिरे

कोहरा छाया, किसानों ने कहा, गेहूं की फसल को मिलेगा फायदा

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में इस सीजन की पहली बारिश मंगलवार रात 11:30 बजे गरज-चमक के साथ शुरू हुई। बारिश करीब 40 मिनट तक जारी रही, जिसके दौरान छोटे ओले भी गिरे। हालांकि, ओलों का आकार छोटा था और वे कुछ ही समय के लिए बरसे। तेज हवाओं के कारण शहर के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई। बताया जा रहा है कि बारिश और ओलों का असर मुख्य रूप से रायसेन के शहरी क्षेत्र में देखा गया, जबकि आसपास के ग्रामीण इलाकों में इसका प्रभाव कम रहा। इस बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। किसानों का कहना है कि यह सीजन की पहली बारिश है, जिससे फसलों को काफी फायदा होगा। विशेषकर उन किसानों को लाभ मिलेगा जो अपनी गेहूं की फसल में सिंचाई कर रहे थे।

बुधवार का मौसम : बुधवार सुबह बारिश के कारण शहर में कोहरा छाया रहा और ठंडी हवाएं चलने से सर्दी बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार, साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और ट्रफ लाइन के कारण मध्य प्रदेश में मौसम में यह बदलाव आया है। रायसेन में मौसम में बदलाव शनिवार दोपहर से ही दिखना शुरू हो गया था। जम्मू-कश्मीर में हुई बर्फबारी के प्रभाव से रविवार और सोमवार को बर्फीली हवाओं के कारण घना कोहरा और तेज ठंड पड़ी। इसके बाद आसमान में बादल छा गए, जिससे दिन और रात के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई।

आने वाले दिनों में बारिश की संभावना : वर्तमान में रायसेन का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी बादल छाए रहने धुंध पड़ने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। इसके साथ ही जिले में और बारिश होने की भी संभावना बनी हुई है।

नर्मदापुरम में गरज-चमक के साथ बदला मौसम

पिपरिया में गिरे ओले, सोहागपुर, इटारसी, सिवनीमालवा में तेज बारिश

नर्मदापुरम,(निप्र)। नर्मदापुरम जिले में मंगलवार रात 11 बजे गरज चमक के साथ मौसम में बदलाव हुआ। पिपरिया, सोहागपुर, इटारसी, डोलरिया, सिवनीमालवा में तेज बारिश हुई। पिपरिया में कुछ देर साबूदाने बराबर के ओले भी गिरे। बारिश होने के बाद ठंड से सुबह और रात के समय ठिठुरन बढ़ने की संभावना है।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और ट्रफ की वजह से मध्य प्रदेश में मौसम बिगड़ गया है। ठंड के मौसम में बारिश-ओले का दौर चल रहा है। इसी मौसमी सिस्टम का प्रभाव नर्मदापुरम जिले के इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में भी देखा गया। देर रात अचानक मौसम बिगड़ा और तेज बिजली की गड़गड़ाहट के साथ बारिश शुरू हो गई। पिपरिया में ओले ने किसानों की चिंता बढ़ाई। गेहूं और चने की फसलों को नुकसान हो सकता है।

आने-वाले दिनों में बढ़ेगी ठंड, किसानों को राहत : मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के बाद आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है। किसानों के लिए यह बारिश फसलों के लिहाज से लाभकारी मानी जा रही है। लेकिन पिपरिया क्षेत्र में ओले गिरने से फसलों में नुकसान की संभावना है।

रतलाम के नामली में सूने मकान में चोरी

मकान मालिक खेत से आए तो घर के टूटे मिले ताले

रतलाम,(निप्र)। रतलाम के नामली में मंगलवार दिनदहाड़े एक सूने मकान में चोरी का वारदात हो गई। चोर घर में से सोने-चांदी के जेवर समेत करीब 30 हजार रुपए चुरा ले गए। घटना के समय मकान मालिक अपने खेत पर गए थे।

जबकि इनकी पत्नी व बेटी गांव गए थे। मकान मालिक खेत से लौटे तो घर के ताले टूटे मिले। चोरी की वारदात नामली के वार्ड नंबर 6 में रहने वाले सुरेश धाकड़ के यहां हुई। मंगलवार सुबह 11 बजे वह अपने खेत पर गए। पत्नी बीना, बेटी संजना (19) गांव नौगांवा कलां गए थे। घर सूना था। शाम 5 बजे जब सुरेश धाकड़ घर लौटे तो मेनगेट का ताला टूटा हुआ दिखा। घर के अंदर गए तो गोदरेज अलमारी का दरवाजा खुला है और लॉक टूटा मिला। कपड़े व सामान बिखरे मिले।

अलमारी में देखा तो सोने का 1 मंगलसूत्र, 1 अंगूठी और 350 ग्राम वजनी चांदी की दो जोड़ी पाएजब और 30 हजार रुपए नहीं मिले। चोरी गए आभूषणों की कीमत लाखों रुपए की बताई जा रही है।

डॉग स्क्वाड के साथ पुलिस पहुंची : चोरी की सूचना पर नामली थाना प्रभारी गायत्री सोनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। घटना स्थल का मुआयना किया। मौके पर एफएसएल, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट व डॉग स्क्वॉड भी पहुंचा। आसपास के सीसीटीवी फूटेज चैक किए। दो संदिग्ध दिखाई दिए है।

दिनदहाड़े चोरी से फैली सनसनी : नामली में दिनदहाड़े चोरी से सनसनी फैल गई। पुलिस ने चोरी की एफआईआर मंगलवार रात 8.30 बजे दर्ज की। नामली थाना प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। चोरों की तलाश की जा रही है।

सागर में हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश

ग्रामीण इलाकों में बेर के आकार के ओले गिरे,हवाओं से लौटी ठंडक

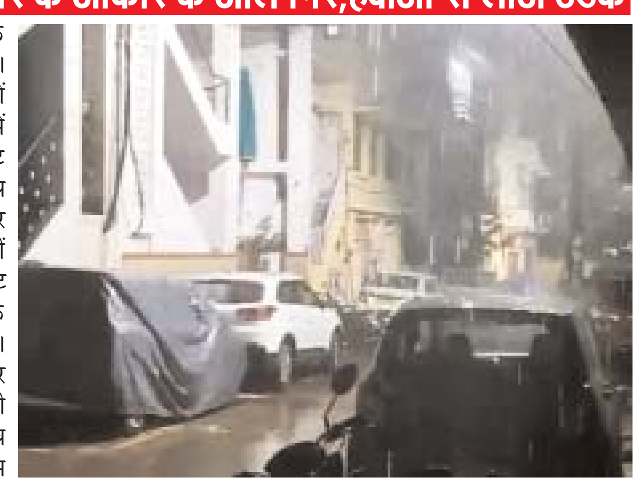

सागर,एजेंसी। सागर के मौसम का मिजाज बदला है। मंगलवार को दिनभर बादलों की आवाजाही के बाद रात में अचानक मौसम ने करवट बदली और हवाओं के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। शहर में झमाझम बारिश हुई। वहीं ग्रामीण इलाकों में ओलावृष्टि हुई। बारिश और हवाओं के कारण मौसम में ठंडक लौटी है। दरअसल, मंगलवार को दिनभर सागर में बादलों की आवाजाही बनी रही। बादलों के बीच वातावरण में ठंड का असर कम रहा। इस दौरान दिन और रात के तापमान में उछाल दर्ज किया गया।

इस दौरान सागर का अधिकतम तापमान 28.9 डिग्री और न्यूनतम पारा 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लेकिन रात होते ही मौसम बदला और हवा चलना शुरू हुई। रात करीब 11 बजे बारिश का दौर शुरू हुआ। झमाझम बारिश से सड़कों पर पानी बह निकाला। हवाओं में ठंडक घुली। वहीं देवलचौरी में ओलावृष्टि हुई। यहां चना और बेर के आकार के ओले गिरे। इसके साथ ही बीना, खुरई, गौरझामर समेत अन्य थानों पर बारिश हुई है। रात करीब पौने 1 बजे शहर में गरज-चमक के साथ बारिश के साथ ओले भी गिरे।

बारिश, हवा के असर से पारे में आएगी गिरावट : मौसम विभाग के अनुसार, हरियाणा और आसपास सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन और उससे गुजर रही ट्रफ के कारण प्रदेश में बारिश और ओलावृष्टि की स्थिति बनी हुई है। अगले 24 घंटे मौसम ऐसा ही बना रहने का अनुमान है।

इसके बाद उत्तर-पश्चिम भारत में अगला नया सिस्टम 30 जनवरी को सक्रिय हो रहा है। दो से तीन दिन बाद सिस्टम मध्यप्रदेश में भी असर दिखाएगा। यानी फरवरी की शुरुआत में भी प्रदेश में बारिश होने की संभावना है। बारिश और सर्द हवाओं के असर से दिन और रात के तापमान में गिरावट होने का अनुमान है।

बुरहानपुर में तेज हवा के साथ भारी बारिश,कई इलाकों में बिजली गुल

बुरहानपुर,(निप्र)। बुरहानपुर जिले में मंगलवार शाम मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। शाम करीब 6:30 बजे तेज हवाओं के साथ भारी बारिश शुरू हो गई। बुरहानपुर शहर सहित जिले के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई।

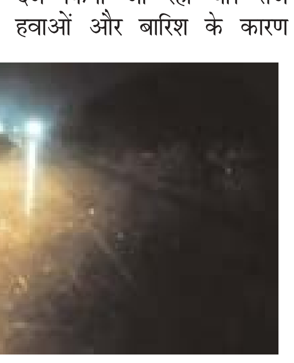

शाम 7 बजे तक जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में कहीं तेज बारिश तो कहीं रिमझिम का दौर जारी रहा। नेपाननगर, डाभियाखेड़ा, नावरा और निंबोला जैसे क्षेत्रों में भी मौसम में बदलाव देखा गया। निंबोला में शाम 6:15 बजे से ही तेज बारिश शुरू हो गई थी, जिसके कारण वहां भी बिजली आपूर्ति बाधित रही।

मौसम बदलने से पहले जिले का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा था। तेज हवाओं और बारिश के कारण फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है, जिसकी वास्तविक जानकारी कल (बुधवार) तक सामने आ सकेगी।

छतरपुर में 4 मिमी बारिश,सुबह छाए रहे बादल

ठंड बढ़ी, न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री पहुंचा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में मंगलवार रात हुई हल्की बूंदाबांदी से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। देर रात करीब 4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद सुबह और शाम के समय ठंड बढ़ गई है और ठंडी हवाओं के साथ गलन महसूस की जा रही है। लोग एक बार फिर अलाव का सहारा लेते नजर आए।

तापमान में उतार-चढ़ाव जारी : मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार-बुधवार की रात न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को यह 10 डिग्री सेल्सियस था। वहीं मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 27.1 डिग्री सेल्सियस रहा। बादलों की वजह से बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 22 से 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

बादलों से ढका आसमान : बुधवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। सुबह 10 बजे तक सूरज नहीं निकला। नमी अधिक होने के कारण मौसम में ठंडक बनी हुई है। आज आर्द्रता 100 प्रतिशत और दृश्यता लगभग 400 मीटर दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार मौसम में अचानक बदलाव की वजह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है। इसी कारण आसमान में बादल छाए हुए हैं और बूंदाबांदी हो रही है। विभाग का कहना है कि बादल छंटने के बाद तापमान और गिर सकता है, जिससे ठंड और बढ़ने की संभावना है।

आगे कैसा रहेगा मौसम : मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक गुरुवार को मौसम साफ रह सकता है, लेकिन इसके बाद फिर से बादल आने की संभावना है। ऐसे में अभी ठंड से राहत मिलने के आसार कम है।

मंदसौर में 4 चोरी की बाइक के साथ चोर गिरफ्तार

मंदसौर (निप्र)। मंदसौर की सिटी कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 2 लाख 10 हजार रुपए है। आरोपी ने जिला चिकित्सालय परिसर से बाइक चोरी की थी, जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसे दबोच लिया। आरोपी से पूछताछ जारी है। फरियादी भागीरथ पिता देवराम मालवीय (51), निवासी पिण्डा, थाना अफजलपुर ने 24 जनवरी 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 20 जनवरी 2026 को जिला चिकित्सालय परिसर से उनकी हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस (स्क्क14 स्ध 5242) चोरी हो गई थी।

मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी, यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली एजेंसी । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास वापस ले लिया है। मोईन ने सीजन 2026 के लिए ब्लास्ट कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इस कॉन्ट्रैक्ट को 2027 तक बढ़ाया जा सकता है। मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी और कॉन्ट्रैक्ट की पुष्टि यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने बुधवार को की। मोईन ने क्लब द्वारा जारी एक बयान में कहा, मैं ब्लास्ट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत खुश हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है, लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि टीम किस ओर जा रही है। टीम में बहुत प्रतिभा है। एंथनी के साथ काम करने और ग्रुप को आगे बढ़ाने में मदद करने का मौका मेरे लिए रोमांचक है। मुझे हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है। विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए

भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में मदद करना चाहता हूं। यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से आठवें स्थान पर रही थी। क्लब ने ऑफ-सीजन के दौरान डेविड मलान को ग्लूस्टरशायर और जॉर्डन थॉम्पसन को वारविकशायर के हाथों गंवा दिया। टीम ने कुछ विदेशी खिलाड़ियों सैम व्हाइटमैन, एंड्रयू टाई, नवीन-उल-हक और लोगान वैन बीक को साइन किया था।

यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा, मोईन एक विश्व-स्तरीय ऑलराउंडर हैं जिनका असर उनकी ऑन-फील्ड काबिलियत से कहीं ज्यादा है। उनका अनुभव और नेतृत्व बहुत कीमती होगी क्योंकि हम अपनी टी20 टीम को मजबूत करना जारी रखेंगे और ब्लास्ट में लगातार चुनौती देने में सक्षम टीम बनाएंगे। वह ड्रेसिंग रूम में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे, और उनके आने से पूरे क्लब और यॉर्कशायर में क्रिकेट पर सकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यॉर्कशायर में शामिल होने का उनका फैसला क्लब में आगे बढ़ने की दिशा और हम जो माहौल बना रहे हैं, उसे दिखाता है। हम इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि मोईन क्या लाएंगे, सिर्फ प्रदर्शन में ही नहीं, बल्कि स्टैंडर्ड सेट करने और ग्रुप को आगे बढ़ाने में मदद करने में भी उनका अहम योगदान रहेगा।

मोईन अली के पास टी20 क्रिकेट का अपार अनुभव है। आईपीएल के साथ ही दुनिया की कई बड़ी लीग का हिस्सा रहे हैं और अपने प्रदर्शन से अपनी फ्रेंचाइजियों को लाभ पहुंचाया है। आईपीएल में सीएसके के साथ 2 बार खिताब जीतने वाले मोईन ने 2018 में वॉर्सेस्टरशायर को पहली बार वाइटैलिटी ब्लास्ट का खिताब दिलवाया था।

मोईन अली के टी20 करियर पर नजर डालें तो अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट मिलाकर खेले कुल 420 मैचों की 375 पारियों में 3 शतक और 37 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 7,792 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 121 है। इसके अलावा वो 271 विकेट भी ले चुके हैं। उनका अनुभव यॉर्कशायर के लिए अगले सीजन में बहुमूल्य साबित हो सकता है। मोईन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

महाराष्ट्र ने एक समर्पित नेता खो दिया, अजित पवार के निधन पर सचिन तेंदुलकर और अजिंक्य रहाणे ने जताया दुख

मुंबई एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार को सुबह बारामती में प्लेन क्रैश में निधन हो गया। प्लेन में सवार सभी लोगों की मौत दुर्घटना में हो गई। अजित पवार के निधन के बाद सिर्फ राजनीतिक वर्ग से नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की तरफ से शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। सचिन तेंदुलकर और अजिंक्य रहाणे जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, अजित पवार के अचानक निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। महाराष्ट्र ने एक समर्पित नेता खो दिया है, जिसने पूरे राज्य में लोगों के लिए काम किया। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। अजिंक्य रहाणे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अजित पवार के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने लिखा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार दादा के दुखद निधन से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।

अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक थे। उनके निधन से राज्य और देश की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई है। अजित पवार का जन्म 22 जुलाई 1959 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के देवलाली प्रवरा में हुआ था। अपने चाचा और एनसीपी प्रमुख शरद पवार की उंगली पकड़कर वह राजनीति में आए थे। अजित पवार शरद पवार के बड़े भाई अनंतराव पवार के बेटे थे। उन्होंने बारामती के महाराष्ट्र एजुकेशन सोसायटी हाई स्कूल से शुरुआती पढ़ाई की। कॉलेज के दिनों में उनके पिता का निधन हो गया, जिसके बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और पूरी तरह राजनीति की ओर रुख किया। अजित पवार ने साल 1982 में, महज 23 साल की उम्र में, राजनीति में कदम रखा। शुरुआत में उन्होंने एक सहकारी चीनी मिल के बोर्ड का चुनाव लड़ा। इसके बाद 1991 में वह पुणे सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष बने और करीब 16 साल तक इस पद पर रहे। उसी साल 1991 में उन्होंने बारामती संसदीय क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीता, लेकिन बाद में यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। इसके बाद शरद पवार केंद्र की राजनीति में सक्रिय हुए और अजित पवार ने महाराष्ट्र की सियासत की कमान संभालनी शुरू की।

महिला प्रीमियर लीग: यूपी वॉरियर्ज की फोएबे लिचफील्ड इंजर्ड, टीम ने किया रिप्लेसमेंट का ऐलान

नई दिल्ली एजेंसी । महिला प्रीमियर लीग 2026 में यूपी वॉरियर्ज का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। टीम सीजन के 6 मैचों में 2 जीत और 4 हार के साथ अंकतालिका में सबसे नीचे (5वें स्थान पर) है। प्लेऑफ में पहुंचने के किसी भी संभावना को बनाए रखने के लिए टीम को आखिरी 2 लीग मैच जीतने हैं। इन दोनों मैचों से ठीक पहले यूपी वॉरियर्ज को बड़ा झटका लगा है। टीम की स्टार खिलाड़ी फोएबे लिचफील्ड टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। यूपी वॉरियर्स की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक फोएबे लिचफील्ड इंजर्ड हैं और इस वजह से सीजन के बाकी मैचों से बाहर हो गई हैं। फोएबे लिचफील्ड को क्वाड इंजरी हुई है। वह इलाज और रिकवरी के लिए अपने देश ऑस्ट्रेलिया लौटेंगी। वह भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली सीरीज से पहले फिट होने की कोशिश करेंगी।

महिला प्रीमियर लीग 2026 में फोएबे लिचफील्ड को 6 मैचों में खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने 2 अर्धशतक की मदद से 243 रन बनाए। फोएबे यूपी की बल्लेबाजी की मजबूत कड़ी बनकर उभरी थीं। इसलिए उनका टूर्नामेंट से बाहर होना टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। लिचफील्ड की कमी को पूरा करना यूपी के लिए आसान नहीं होने वाला।

फोएबे लिचफील्ड को यूपी वॉरियर्स ने विमेंस प्रीमियर लीग के चौथे सीजन के लिए हुई नीलामी में 1 करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा था।

फोएबे लिचफील्ड के बाहर होने के बाद यूपी वॉरियर्स की टीम ने रिप्लेसमेंट प्लेयर के नाम का भी ऐलान कर दिया है, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड की 32 साल की विकेटकीपर एमी जोंस को टीम में शामिल किया है। एमी जोंस ने अब तक महिला प्रीमियर लीग का एक भी मैच नहीं खेला है। हालांकि टी20 फॉर्मेट का उन्हें अनुभव है। इंग्लैंड के लिए वह 125 टी20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें 5 अर्धशतकों की मदद से उन्होंने 1,666 रन बनाए हैं।

जोकोविच 13वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में, मुसेट्टी की चोट ने बदल दी कहानी

मेलबर्न एजेंसी । दस बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन 38 साल के नोवाक जोकोविच ने एक बार फिर इस प्रतिष्ठित ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। यह 13वां मौका है जब जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। नोवाक जोकोविच को इस बार भाग्य का सहारा मिला है। बुधवार को मेलबर्न पार्क में पांचवीं सीड इटली के लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच दो सेट से पिछड़ रहे थे, लेकिन तीसरे सेट में इंजरी की वजह से मुसेट्टी को कोर्ट से हटना पड़ा और इस वजह से जोकोविच का 13वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना निश्चित हो गया। मुसेट्टी ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की थी। उन्होंने पहला सेट 6-4 और दूसरा सेट 6-3 से अपने नाम किया था। शुरुआती दो सेटों में इटैलियन खिलाड़ी की सर्विस और बेसलाइन खेल ने जोकोविच को दबाव में रखा। उन्होंने अपने हर शॉट में पेस और सटीकता दिखाई, जिससे जोकोविच को लगातार बैकफुट पर रहना पड़ा। पहले सेट में एक अहम रैली को शार्प एंगल्ड फोरहैंड विनर से समाप्त करके मुसेट्टी ने बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में भी उनका मोमेंटम बना रहा और उन्होंने सर्विस ब्रेक के

साथ 6-3 से सेट अपने नाम किया।

हालांकि, तीसरे सेट के तीसरे गेम में मुसेट्टी के दाहिने पैर में चोट लगी और उनकी हड्डी टूट गई। फिजियो ट्रीटमेंट के बाद उन्होंने खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन अंततः दो घंटे और आठ मिनट के संघर्ष के बाद उन्हें रिटायर होना पड़ा। मुसेट्टी के रिटायर होते हीं जोकोविच सेमीफाइनल में पहुंच गए।

मुसेट्टी ने पहले दो सेट में जो दबाव बनाया, वह यादगार था। उनके क्लीन रिटर्न, तेज फोरहैंड और महत्वपूर्ण ग्राउंडस्ट्रोक ने जोकोविच पर नियंत्रण बनाए रखा। लेकिन तीसरे सेट में लगी चोट ने इटैलियन खिलाड़ी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मुझे नहीं पता क्या कहना है, सिवाय इसके कि मुझे उसके लिए बहुत दुख है। वह आज जीत का हकदार था। खेल में ऐसी चीजें होती हैं, लेकिन ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में दो सेट जीतने के बाद रिटायर होना बहुत बुरा है। मैं उसके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। जोकोविच शुक्रवार को दूसरे सीड जैनिक सिनर और आठवें सीड बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल विजेता से सेमीफाइनल में भिड़ेंगे।

महिला प्रीमियर लीग- दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स पर लगा 12 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली एजेंसी । महिला प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को मंगलवार को खेले गए मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 3 रन से हार का सामना करना पड़ा था। हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। जेमिमा पर धीमे ओवर रेट की वजह से 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। महिला प्रीमियर लीग की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह जुर्माना लीग के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत मिनिमम ओवर-रेट से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण लगाया गया है। लीग ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा सीजन में यह जेमिमा रोड्रिग्स का पहला ओवर-रेट अपराध था। हार और जुर्माने का असर दिल्ली कैपिटल्स के पूरे अभियान पर साफ दिखाई दे रहा है। टीम 7 मैचों में छह अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गई है। नेट रन रेट -0.164 हो गया है। इससे प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी राह कठिन हो गई है। प्लेऑफ की संभावना को बनाए रखने के लिए दिल्ली को 1 फरवरी को यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ होने वाले अपने आखिरी लीग मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। गुजरात जायंट्स के खिलाफ मैच में दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, लेकिन स्नेह राणा और युवा बल्लेबाज निकी प्रसाद ने शानदार संघर्ष दिखाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 70 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने दिल्ली को मुकाबले में वापस ला दिया।

अंडर-19 विश्व कप- विहान मल्होत्रा का शतक, भारत ने जिम्बाब्वे को दिया 353 रन का लक्ष्य

बुलावायो एजेंसी। बुलावायो में खेले जा रहे अंडर-19 विश्व कप ग्रुप-2 के सुपर सिक्स मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विहान मल्होत्रा के शतक की बदौलत जिम्बाब्वे को जीत के लिए 353 रन का लक्ष्य दिया है। जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाजों आरोन जॉर्ज और वैभव सूर्यवंशी ने गंभीर शुरुआत दी थी और पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। आरोन 16 गेंद पर 23 रन बनाकर आउट हुए। वैभव

सूर्यवंशी ने विस्फोटक अर्धशतक लगाया। वह 30 गेंदों पर 4 चौकों और 4 छक्कों की बदौलत 52 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान आयुष म्हात्रे और वेदांत त्रिवेदी का विकेट भी जल्दी-जल्दी गिरा। दोनों क्रमशः 21 और 15 रन बनाकर आउट हुए। 130 पर 4 विकेट गंवा चुकी भारतीय टीम को विहान मल्होत्रा और विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी कर स्कोर को 243 तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर अभिज्ञान 62 गेंद पर 61 रन बनाकर आउट हुए।

कराटे प्रतिभाओं का महाकुंभ, खेल कराटे स्कूल गेम्स सीज़न 3 ने रचा नया कीर्तिमान

जयपुर एजेंसी। जयपुर में खेल कराटे स्कूल गेम्स सीज़न 3 का भव्य एवं सफल आयोजन ज्ञान विहार स्कूल में शनिवार और रविवार को किया गया। इस राष्ट्रीय स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में देश के 16 से अधिक राज्यों के 100 से ज्यादा स्कूल के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के अवसर पर 3 लाख 50 हज़ार की राशि विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र के साथ प्रदान की गई। आयोजन का नेतृत्व धनंजय त्यागी ने निभाया जिनके मार्गदर्शन में प्रतियोगिता पूरी गरिमा, अनुशासन और खेल भावना के साथ संपन्न हुई। संस्था के प्रेसिडेंट आकाश सिंह एवं सेक्रेटरी मोहित शर्मा ने बताया कि टीम चैंपियनशिप में प्रथम स्थान जे.एस.सी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जोबनेर; दूसरा

स्थान आईएमएए अकादमी जयपुर और तीसरा स्थान नॉलेज सिटी स्कूल अलवर ने प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ कोच श्रेणी में उत्कृष्ट योगदान के लिए गौतम सिंह (दिल्ली) को पहला स्थान, दीपक सैनी (अलवर) को दूसरा और रजनी भंसाली (भीलवाड़ा) को तीसरे स्थान से सम्मानित किया गया। सुपर गोल्ड वर्ग में बालक वर्ग में अंडर-7 आरुष दास, अंडर-8 अतुल्य द्विवेदी, अंडर-10 वियान जैन, अंडर-12 देवांश सिंह, अंडर-14 देवम त्रिवेदी, अंडर-16 कार्तिक यादव और सीनियर ओपन में पवन जांगिड़ विजेता रहे, जबकि बालिका वर्ग में अंडर-8 वेदित्या राठौड़, अंडर-10 नैनिका नाथ, अंडर-12 ज़ील चोक्सी, अंडर-14 गरिमा बालोतिया, अंडर-19 श्रेय पटिल और सीनियर ओपन में खुशबू पंवार ने सुपर गोल्ड खिताब जीता। आयोजन को अभिभावकों और खेल प्रेमियों से भरपूर सराहना मिली।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: इगा स्वियाटेक बड़ी उलटफेर का शिकार

, एलेना रायबाकिना से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुईं

मेलबर्न एजेंसी । ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। रॉड लेवर एरिना में खेले गए इस मुकाबले में रायबाकिना की ताकतवर और सटीक गेम ने स्वियाटेक की करियर ग्रैंड स्लैम जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इगा स्वियाटेक और एलेना रायबाकिना के बीच ये मुकाबला 93 मिनट तक चला। दोनों ही अपने 12वें आमने-सामने के मैच में लय तलाशती दिखीं। शुरुआती गेम्स में सर्विस पर पकड़ ढीली रही और ब्रेक का सिलसिला चलता रहा। हालांकि निर्णायक मौकों पर रायबाकिना ने खुद को बेहतर तरीके से संभाला और पहले सेट में अहम बढ़त बनाते हुए 7-5 से अपने नाम किया। पहले सेट के बाद मुकाबले की दिशा

पूरी तरह बदल गई। दूसरे सेट में रायबाकिना ने आक्रामक खेल दिखाया और स्वियाटेक को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी नौ में से आठ गेम जीतकर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ ही रायबाकिना ने स्वियाटेक के खिलाफ अपना आमने-सामने का रिकॉर्ड 6-6 से बराबर कर लिया।

इस मैच में सर्विस का बड़ा रोल रहा। स्वियाटेक की पहली सर्विस केवल 49 प्रतिशत ही सफल रही, जिसका फायदा रायबाकिना ने लगातार उठाया। रायबाकिना ने पहले सेट में 0-40 की स्थिति से शानदार वापसी की और इसके बाद अपने अगले आठ सर्विस गेम में सिर्फ 12 अंक गंवाए। रायबाकिना ने पिछले अक्टूबर से 19 में से 18 मुकाबले जीते हैं। यह उनकी लगातार आठवीं टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत है। 2022 विंबलडन चैंपियन रायबाकिना अब सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा और जेसिका पेगुला के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी और अपने तीसरे करियर ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: जेसिका पेगुला ने अमांडा अनिसिमोवा को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न एजेंसी। जेसिका पेगुला ने पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में पेगुला ने अमांडा अनिसिमोवा को 6-2, 7-6(1) से हराया। दुनिया की नंबर 6 खिलाड़ी पेगुला ने 1 घंटे 35 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और दमदार जीत हासिल की। इस जीत से पेगुला अपने करियर में तीसरी बार और यूएस ओपन के बाहर पहली बार किसी मेजर ग्रैंड स्लैम के आखिरी चार में पहुंची हैं। सेमीफाइनल में पेगुला का मुकाबला एलेना रायबाकिना से होगा। इससे पहले पेगुला पिछले चार ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार चुकी थीं, लेकिन इस मैच में उन्होंने दोनों विंग्स से गहराई और सटीकता के साथ खेल को शुरू में ही कंट्रोल किया, और दो बार अनिसिमोवा की सर्विस तोड़कर पहला सेट अपने नाम किया।दूसरा सेट उतार-चढ़ाव वाला रहा। अनिसिमोवा ने अपना लेवल बढ़ाया, अपने आक्रामक बेसलाइन गेम पर ध्यान दिया, और पेगुला को आगे नहीं बढ़ने दिया। नंबर 4 सीड ने हिम्मत दिखाई, बराबरी पर रहीं, और मैच पॉइंट्स बचाकर सेट को टाईब्रेक में

पहुंचा दिया, लेकिन एक बार वहां पहुंचने के बाद, पेगुला को कोई छू नहीं सका। पेगुला ने शुरू से ही ब्रेकर पर दबदबा बनाया, बिना डरे सर्विंग और तेज रिटर्न के दम पर लगातार सात पॉइंट्स बनाए। बढ़ते दबाव में अनिसिमोवा ने गलतियां कीं, जबकि पेगुला की रफ्तार और सटीकता निर्णायक साबित हुई। इस जीत ने अनिसिमोवा के खिलाफ पेगुला का बिना हारे रिकॉर्ड 4-0 कर दिया। यह किसी अमेरिकी विरोधी के खिलाफ उनकी लगातार आठवीं ग्रैंड स्लैम जीत थी। जेसिका पेगुला तीन दशकों से ज्यादा समय में एक ही ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीन हमवतन खिलाड़ियों को हराने वाली पहली अमेरिकी महिला भी बनीं, इससे पहले उन्होंने टूर्नामेंट में मैककार्टनी केसलर और डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज को हराया था। मैच के बाद जेसिका ने कहा, यह बहुत बढ़िया है। मैं पिछले कुछ सालों में यूएस ओपन के अलावा अन्य मेजर ग्रैंड स्लैम में आगे नहीं जा पाई थी। यह पहला स्लैम था जिसमें मैंने सच में कमाल कर दिया। मैं तीन बार, और फिर इस साल, चार बार क्वार्टर फाइनलिस्ट थी। मुझे यहां के हालात पसंद हैं। मैं यहां बहुत अच्छा टेनिस खेल पा रही हूं। इसलिए मैं सेमीफाइनल का इंतजार कर रही थी।

5 फरवरी तक सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें आधी करें विभाग कलेक्टर मैहर ने की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। बुधवार को मैहर जिले की समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि सभी विभाग 5 फरवरी तक अपने यहां लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की संख्या आधी करें। करेन्ट मंथ की कोई भी शिकायत फोर्स क्लोज नहीं होनी चाहिए और ना ही शिकायतें किसी स्तर पर नाट-अटेण्ड रहे। बैठक में अपर कलेक्टर संजना जैन, डीएफओ विद्याभूषण मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम डॉ. आरती सिंह, दिव्या पटेल, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, जिला संयोजक अरूण शुक्ला, नगर पालिका अधिकारी सुषमा मिश्रा, सीईओ जनपद वेदमणि मिश्रा, अशोक तिवारी, भारती दीक्षित सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में मासिक ग्रेडिंग फारमूला गणना के बारे में अधिकारियों को जानकारी देते हुए कहा कि एक शिकायत के नाट-अटेण्ड रहने से कुल शिकायतों का 10 प्रतिशत मार्किंग कम होती है। शिकायतों को निम्न गुणवत्ता के साथ नहीं बंद की जाये। चालू माह के साथ ही 50 दिवस की शिकायतों पर भी फोकस रहकर संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर जोर दें। उन्होंने कहा कि अभी कोई भी विभाग ए श्रेणी में नहीं आया है। सी और डी श्रेणी के विभाग और प्रयास कर बी तथा ए में आने का प्रयास करे। सुनिश्चित करें कि मैहर जिला ग्रेडिंग में निम्न 5 जिलों में नहीं रहे। उन्होंने राजस्व विभाग की लंबित 1013 शिकायतों का निराकरण शुक्रवार को कैम्प लगाकर करने के निर्देश दिये। सभी विभागों को 50 दिवस की शिकायतों का निराकरण इसी दिवस करने के निर्देश दिये। कलेक्टर स्वयं वीसी के माध्यम से जुडकर निराकरण की समीक्षा करेंगी। धरती आबा अभियान में मैहर में आधारकार्ड के 21, जाति प्रमाण पत्र 296, आयुष्मान के 499, अमरपाटन में आधार कार्ड का एक, जाति प्रमाण पत्र 38, आयुष्मान 707 और रामनगर में जाति प्रमाण पत्र के 156, आयुष्मान के 1004 प्रकरण सैचुरेशन के लिये शेष है। कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम और सीईओ जनपद एक सप्ताह के अंदर इनके निराकृत की कार्यवाही करें। खाद्यान्न वितरण में मैहर जिले का प्रतिशत 83 प्रतिशत पाया गया। जिनमें जनपद अमरपाटन 81 प्रतिशत, जनपद मैहर 82 प्रतिशत, जनपद रामनगर 83 प्रतिशत, नगर पालिका मैहर 89, नगर परिषद रामनगर 85 प्रतिशत और अमरपाटन का 103 प्रतिशत वितरण रहा। कलेक्टर ने कहा कि माह जनवरी के अंत तक खाद्यान्न वितरण 95 प्रतिशत हो जाना चाहिए। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 10 वर्ष पूर्व स्वीकृत आंगनवाडी भवन का पूर्ण निर्माण नहीं होने पर कलेक्टर ने अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अप्रारंभ केन्द्रों की सूची एसडीएम को दे और जहां काम नहीं हो सकता उन ग्राम पंचायतों से वापसी योग्य राशि की वसूली सीईओ जिला पंचायत कराये। नगरीय निकायों में शहरी आवास की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी आवास अगली कलेक्टर-कमिश्नर कान्फ्रेंस होने तक पूर्ण हो जाये। कलेक्टर ने शहरी क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रणाली की अनुरक्षण व्यवस्था और पेयजल गुणवत्ता की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करें। समन्वय या कोई कठिनाई हो तो बैठक में बताये। वार्षिक लक्ष्य अनिवार्य रूप से पूरे होने चाहिए। सभी विभाग अपनी समितियों की बैठक निर्धारित अंतराल में आयोजित करायें और कार्यवाही विवरण भी भेजें।

पटियाला ने नोएडा को 8 विकेट से हराया, भोपाल नागपुर का मुकाबला रामपुर में आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामपुर के लाल चंद्रकांत सिंह स्टेडियम में विधायक विक्रम सिंह विक्की भैया के तत्वावधान में आयोजित स्वर्गीय कप्तान अवधेश प्रताप सिंह स्मृति अंतरराज्यीय क्रिकेट टूर्नामेंट के 11वें दिन नोएडा और पटियाला के बीच मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नोएडा की टीम महज 87 रनों पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पटियाला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 विकेट से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। पटियाला की जीत में मंत्री का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 50 रन की शानदार पारी खेलने के साथ 3 विकेट भी झटके और मैन ऑफ द मैच चुने गए। मैच के मुख्य अतिथि अशोक सिंह पप्पू रहे। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए विश्वविजय सिंह, अजीत सिंह, कमलेश कचेर, धीरज सिंह, प्रदीप सिंह, मोहित सिंह करही, संतोष सिंह त्योधरी, शैलेंद्र निगम, संदीप गुप्ता, हरिशंकर तिवारी, इसहाक खान सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे।

मैच के अंपायर पवन तिवारी और अमित शर्मा, स्कोरर पंकज सिंह व सिद्धांत बघेल रहे। आयोजन समिति की सक्रिय मौजूदगी रही।

सतना में पहली बार राष्ट्रीय माउथ ऑर्गन मीट, 31 जनवरी से गूंजेगी सुरों की महफ़िल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर में संगीत प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर आने जा रहा है। सतना माउथ ऑर्गन ग्रुप द्वारा 31 जनवरी एवं 1 फरवरी को सतना नदी स्थित होटल रिवर व्यू में राष्ट्रीय स्तर का माउथ ऑर्गन मीट आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन सतना के इतिहास में पहली बार हो रहा है जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से प्रसिद्ध माउथ ऑर्गन कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे।आयोजन को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में ग्रुप के अध्यक्ष बसंत शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सतना शहर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना तथा युवाओं को माउथ ऑर्गन जैसे सरल मधुर एवं स्वास्थ्यवर्धक वाद्य यंत्र के प्रति प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि माउथ ऑर्गन बजाना एक उत्कृष्ट श्वसन व्यायाम है जिससे फेफड़े और हृदय स्वस्थ रहते हैं।

ग्रुप के सचिव आकाश बनर्जी ने जानकारी दी कि दो दिवसीय समारोह में जम्मू से जगजीत सिंह इस्सर कोलकाता से सुहास मित्रा व स्वरूप मित्रा चंडीगढ़ से प्रीतम चंदेल लखनऊ से संजय अग्रवाल व नर्मदा सुद भोपाल से शुक्ला (आईएएस) तथा इंदौर से डॉ. राघुवन सहित अनेक ख्यातिप्राप्त कलाकार शामिल होंगे। यह आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी उत्तम बनर्जी महापौर योगेश ताम्रकार एवं मणिकांत महेश्वरी की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न होगा। प्रेस वार्ता में विनोद गेलानी राजेश अग्रवाल व रंजीत सेनानी भी मौजूद रहे। आयोजकों ने सभी संगीत प्रेमियों से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वाँ गणतंत्र दिवस, छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान एवं सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित एस.एम. राज सिंह कॉन्वेंट एवं समावेशी स्कूल तथा डी.एड. विशेष शिक्षा कॉलेज, गिरिजापुर में 77वाँ गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह, उमंग और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा आसपास के कई गाँवों में विशाल रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से ग्रामीण जनों को 26 जनवरी एवं भारतीय गणतंत्र के महत्व की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में मुख्य अतिथि जितेंद्र राय (राष्ट्रीय सचिव, भारतीय जन मोर्चा पार्टी), अति विशिष्ट अतिथि उदय सिंह परिहार तथा विशिष्ट अतिथि उमेश चतुर्वेदी (सरपंच, ग्राम पंचायत जिघनाहट) द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के पश्चात माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम नाटक एवं देशभक्ति गीतों ने सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में संविधान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में आभार प्रदर्शन स्वल्पाहार वितरण एवं राष्ट्रगान के साथ समारोह का सफल समापन हुआ।

महिलाओं पर हमले के आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए– डॉ. रश्मि सिंह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के नागौद थाना क्षेत्र से कानून-व्यवस्था को शर्मसार करने वाला गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि सत्ता पक्ष से जुड़े मंडल अध्यक्ष पुलकित टंडन ने देर रात एक युवती के घर में जबरन घुसकर युवती और उसकी मां के साथ बेरहमी से मारपीट की। इस घटना में दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस नेत्री डॉ. रश्मि सिंह ने स्वयं नागौद थाना प्रभारी से बातचीत कर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी नहीं हुई, तो कांग्रेस इस मुद्दे पर पूरी ताकत के साथ संघर्ष करेगी। महिलाओं पर अत्याचार के खिलाफ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि यह घटना केवल दो महिलाओं पर हमला नहीं, बल्कि महिलाओं की गरिमा, कानून के राज और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पुलिस ने किसी दबाव में आकर कार्रवाई से परहेज किया, तो जनआंदोलन के साथ-साथ कानूनी लड़ाई भी लड़ी जाएगी।

घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और लोग निष्पक्ष कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मझगवां जनपद में पीएम आवास सत्यापन पर पक्षपात का आरोप, कांग्रेस ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना के सत्यापन में कथित पक्षपात और अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनुविभागीय दंडाधिकारी मझगवां को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच व कड़ी कार्रवाई की मांग की। यह ज्ञापन मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव एवं उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस बुंदेलखंड प्रभारी आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि जनपद पंचायत मझगवां अंतर्गत ग्राम पंचायतों में चल रहे पीएम आवास सत्यापन में जिम्मेदार कर्मचारियों द्वारा भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों द्वारा बार-बार शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आरोप है कि एनआरएलएम के सर्वेक्षण कर्मचारी रात्रि के समय भाजपा पदाधिकारियों के साथ मिलकर पक्षपातपूर्ण ढंग से सत्यापन कर रहे हैं, जो नियमों के विरुद्ध है। विशेष रूप से ग्राम पंचायत मझगवां में सत्यापन कार्य कर रहीं ऊषा सिंह पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ रात्रिकालीन सत्यापन करने का आरोप लगाया गया। आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच हुई तो मझगवां जनपद में अरबों के घोटाले सामने आ सकते हैं। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने और दोषी अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अवधनरेश शर्मा, डेविड लारेंस, जगप्रशाद वर्मा, रमोल त्रिपाठी, संजय यादव, चिंतन नामदेव, संगम यादव, तौहीद खान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा नेता ने युवती को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, वीडीयो एक के बाद एक 6 थप्पड़ मारे; गिरते हुए लड़की छोड़ने की गुहार लगा रही

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद थाना क्षेत्र में भाजपा मंडल अध्यक्ष पुलकित टंडन पर एक युवती और उसकी मां से मारपीट करने का आरोप लगा है। घटना मंगलवार देर रात की है, जिसमें मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। बताया जा रहा है कि मंडल अध्यक्ष पुलकित टंडन अपनी दुकान के गोदाम में थे। मां-बेटी किसी काम से उनके पास पहुंची। किसी बात को लेकर तीनों के बीच विवाद शुरू हुआ। इसके बाद टंडन ने गाली-गलौज करते हुए दोनों के साथ मारपीट की। मामले में पुलिस ने महिला की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पीड़िता ने बताया कि वह ब्यूटी पार्लर चलाती है। मंगलवार रात भाजपा मंडल अध्यक्ष पुलकित टंडन के नौकर आरके नामदेव का उसके पास फोन आया। उसने पुलकित से बात कराई। पुलकित ने पीड़िता से कहा कि ब्यूटी पार्लर के लिए एक कस्टमर आए हैं। आकर उनसे मिल लो। पहले तो पीड़िता ने मना कर दिया, लेकिन बाद में फोन कर जाने के लिए कह दिया। इसके बाद महिला भाजपा नेता की ट्रेडिंग दुकान के गोदाम के बाहर पहुंची तो नौकर नामदेव ने उसे बताया कि कस्टमर अंदर है। चलकर बात कर लो। गोदाम के अंदर जाने पर पीड़िता ने देखा कि पुलकित शराब पी रहा था। वह वापस जाने लगी तो पुलकित ने उसका हाथ पकड़ कर पटक दिया और गालियां देते हुए पीटने लगा। इस बीच नौकर नामदेव भी आ गया और पीड़िता की मां एवं भाई भी पहुंच गए। भाई घटनाक्रम का वीडियो बना रहा था तो पुलकित ने उसका मोबाइल तोड़ दिया। मारपीट के दौरान दोनों मां-बेटी को गंभीर चोटें आई हैं। बुधवार सुबह इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में मारपीट और धक्का-मुक्की साफ दिखाई दे रही है। नागौद टीआई अशोक पांडेय ने बताया कि वीडियो पुलिस के संज्ञान में भी आया है। हालांकि पुलिस अब तक आरोपी को पकड़ नहीं पाई है, लेकिन भाजपा मंडल अध्यक्ष पुलकित टंडन के खिलाफ बीएनएस की धारा 296 (ए), 115 (2), 351 (3), 3 (5) एवं 324 (4) के तहत केस दर्ज किया गया है।

रिजल्ट कमजोर होने पर जिला शिक्षा अधिकारी होंगे जबाव देह-कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि शिक्षा विभाग को हायर सेकेण्डरी और हाईस्कूल के रिजल्ट में सुधार लाने प्राचार्यों की प्रत्येक दो माह में कलेक्ट्रेट में बैठक करने का निर्णय लिया गया था। जिला शिक्षा अधिकारी चालू शैक्षणिक सत्र में बैठक बुलाने में असफल रहे हैं। हायर सेकेण्डरी और हाईस्कूल की परीक्षायें 10 फरवरी से प्रारंभ हो रही है। इस बार जिले का रिजल्ट कमजोर हुआ तो इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी की होगी। कलेक्टर ने बुधवार को शिक्षा विभाग और जिला शिक्षा केन्द्र की गतिविधियों की समीक्षा की। इस मौके पर डीईओ कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, बीईओ, बीआरसी भी उपस्थित थे। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के स्कूलों में निर्माण और मरम्मत कार्य की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य ईमानदारी से गुणवत्तापूर्ण कराये। इनमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायत नहीं आनी चाहिए। स्कूलों में कक्षा 1 से 8 और 9 से 12 में छात्रों के नामांकन की स्थिति में पिछले वर्षो की तुलना में कमी पाये जाने पर इसका कारण जाना। उन्होंने कहा कि कम नामांकन वाली स्कूलों के बच्चों की ट्रेकिंग कराकर पता करे कि अगली क्लास में कहां पढ रहे हैं। एफएलएन निपुण भारत योजना में कलेक्टर ने कहा कि योजना के तहत बच्चों को लिखने और पढना सिखाकर शिक्षा में निपुण करें। कलेक्टर ने कहा कि मेंटर विजिट कम करने वाले अधिकारी अगले दो दिनों में अपनी विजिट पूरी करें। डीपीसी विष्णु त्रिपाठी ने बताया कि जिले में शैक्षणिक सुविधा के तहत 676 प्राथमिक शाला, 219 माध्यमिक शाला, 56 हाईस्कूल, 58 हायर सेकेण्डरी तथा 252 अन्य संस्थायें कार्यरत है। जिले में कुल 1009 शैक्षणिक संस्थायें है। अमरपाटन में नामांकन 9 प्रतिशत घटा है। नामांकन में कम हुए बच्चों की स्कूलवार ट्रेकिंग कराई जायेगी। आउट ऑफस्कूल बच्चों के सर्वे में 1872 बच्चे मिले थे, जिनमें से 1855 को प्रवेशित कराया गया है। शेष 17 बच्चे स्कूल जाने योग्य नहीं पाये गये जिन्हें उनके अभिभावकों को स्पेशल नीड के विद्यालय में प्रवेशित कराने प्रोत्साहित किया गया। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि हायर सेकेण्डरी और हाईस्कूल की परीक्षायें 10 फरवरी से शुरू हो रही है। जिले में परीक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से कराये।

वार्ड क्रमांक 06 में विकास कार्यों की शुरुआत, महापौर योगेश ताम्रकार ने किया सीसी रोड-नाली निर्माण का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने वार्ड क्रमांक-06 में 36 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। इस विकास कार्य से वार्डवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा के साथ जलनिकासी की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क और नाली जैसे मूलभूत कार्य नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाते हैं और नगर को स्वच्छ व व्यवस्थित बनाने में सहायक होते हैं। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, निर्माण विभाग अध्यक्ष गोपी गेलानी, वार्ड पार्षद रावेंद्र सिंह मिथलेश सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी शिवपाल तिवारी, समर सिंह बघेल, रमेश सोनी, डी.एन. सिंह, कृष्ण कुमार गर्ग, बिहारीलाल सोनी तथा कार्यपालन यंत्री आर.पी. सिंह की भी मौजूदगी रही। वार्डवासियों ने विकास कार्य की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर एवं नगर निगम प्रशासन का आभार जताया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।